RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 26 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 18-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 देश की बेटियां आज हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं : ओम बिरला

6 अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

7 इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचीं सनी लियोनी

फर्स्ट टेक

तारापीठ में एक होटल में आग, आठ लोगों की मौत

तारापीठ/भाषा। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में सोमवार तड़के एक होटल में आग लगने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आग सुबह करीब पांच बजे तारापीठ मंदिर नगरी स्थित चार मंजिला एक होटल के भूतल पर लगी। उस समय होटल में ठहरे ज्यादातर अतिथि सो रहे थे। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। घायलों को रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के सूत्रों ने शुरुआत में बताया था कि आग की घटना में पांच लोगों की मौत हुई है। हालांकि, बाद में पुलिस ने आठ लोगों की मौत होने की जानकारी दी।

सिंधू दूसरे दौर में, त्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में आगे बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर में आयरलैंड की सोफिया नोबल को सीधे गेम में हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने ऐतिहासिक छठे पदक की दावेदारी का शानदार आगाज किया। नौवीं वरीयता प्राप्त भारतीय स्टार ने सोफिया की चुनौती से आसानी से पार पाते हुए 21-7, 21-11 से जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पांच बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता सिंधू ने महज 29 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। वह शुरुआत से ही मुकाबले में हावी रहीं और अपने अनुभव तथा धैर्यपूर्ण खेल से सोफिया को लगातार दबाव में रखा। सिंधू ने पहले गेम में ब्रेक तक 11-2 की मजबूत बढ़त बना ली थी, जिसके बाद उन्होंने आसानी से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में नोबल ने बेहतर चुनौती पेश की और एक समय सिंधू को कड़ी टक्कर देती दिखी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए ब्रेक तक 11-8 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधू ने इसके बाद प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

साइबर सुरक्षा अब बोर्ड रूम का मुद्दा : सेबी प्रमुख

मुंबई/भाषा। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि साइबर सुरक्षा अब केवल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से जुड़ी चुनौती नहीं रह गई है, बल्कि यह बोर्ड स्तर का भी मुद्दा बन चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करते समय पूरी सावधानी बरती जानी चाहिए। पांडेय ने इस बात पर जोर दिया कि 'साइबर सुरक्षा में स्वचालन नए जोखिमों को जन्म देता है, और साइबर सुरक्षा के लिए एआई को खुद सुरक्षित, नियंत्रित और जवाबदेह होना चाहिए।'

सूर्यास्त 18-07-2026	सूर्योदय 19-08-2026
6:28 बजे	5:59 बजे

BSE	NSE
77,728.16	24,287.65
(-281.09)	(-78.35)

सोना	चांदी
16,034 रु.	255,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

कावेरी का पानी छोड़ने के संबंध में

तमिलनाडु को दिए प्राधिकरण के निर्देशों का पालन किया जाए : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्ययालय ने सोमवार को कर्नाटक सरकार से कहा कि वह तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ने के संबंध में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश का पालन सुनिश्चित करे। तमिलनाडु सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष दावा किया कि प्राधिकरण के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है, वहीं कर्नाटक सरकार ने कहा कि जो तस्वीर पेश की जा रही है, वह ''सच नहीं'' है।

कावेरी जल विनियमन समिति ने कर्नाटक सरकार को निर्देश दिया था कि वह 12 अगस्त से 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए रोजाना 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े। बाद में प्राधिकरण ने इस फैसले को बरकरार रखा। सोमवार को, तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर न्यायालय में सुनवाई हुई, जिसमें कर्नाटक सरकार को तुरंत पानी छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। यह सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष हुई। पीठ ने कहा, ''इस मामले को एक हफ्ते बाद के लिए सूचीबद्ध किया जाए, ताकि पानी छोड़े जाने के बारे में अदालत को अवगत कराया जा सके।'' पीठ ने मामले को 24 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

न्यायालय ने कहा, ''प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए।'' तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सी.एस. वैद्यनाथन ने पीठ को बताया कि प्राधिकरण के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है और राज्य किसानों को पानी नहीं दे पा रहा है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (कर्नाटक ने) कर्नाटक में सिंचाई के लिए पानी छोड़ना शुरू कर दिया है, और तमिलनाडु को पानी नहीं मिल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अभी उनके बांध में 76 प्रतिशत पानी है और उन्होंने बहुत कम पानी छोड़ा है।'' पीठ ने कर्नाटक सरकार से पूछा, ''आप पानी क्यों नहीं छोड़ रहे हैं?''

कर्नाटक सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने जवाब दिया कि अदालत के सामने जो तस्वीर पेश की जा रही है, वह हर दृष्टिकोण से ''पूरी तरह से गलत'' है। कावेरी बेसिन के बारे में दीवान ने कहा कि वहां पानी की भारी कमी है और प्राधिकरण इस स्थिति को लेकर सजग है तथा उसने निर्देश जारी किए हैं। सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने 3 अगस्त को शीर्ष अदालत का रुख कर कर्नाटक सरकार को तुरंत पानी छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

प्रस्तुति

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में कलाकारों ने पारंपारिक लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क खत्म : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

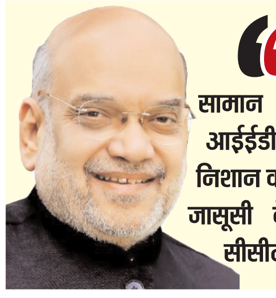

> आईएसआई से फंड पाने वाले इस समूह से भारी माला में सामान बरामद किया गया, जिसमें आईईडी, पाकिस्तान आयुध निर्माणी के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी संगठन 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' के 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार किया गया, जिससे संगठन के विध्वंसक हमले करने की साजिश नाकाम हो गई। उन्होंने कहा कि 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर समन्वित अभियान चलाए गए, जो आतंकवाद के प्रति देश की कतई 'बर्दाश्त न करने' की नीति को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि आईएसआई से फंड पाने वाले इस समूह से भारी मात्रा में सामान बरामद किया गया, जिसमें आईईडी, पाकिस्तान आयुध निर्माणी के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं।

'एक्स' पर एक संदेश में गृह मंत्री ने कहा, मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी समूह 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार करके उसके विध्वंसक हमलों की साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा, भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर एक साथ अभियान चलाकर इस नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया और आतंकवाद के प्रति भारत की कतई बर्दाश्त न करने की नीति का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। शाह ने कहा कि यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था।

सरकार के एक बयान के मुताबिक, शाहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) पाकिस्तान स्थित, आईएसआई द्वारा समर्थित आतंकी सिंडिकेट है जो भारत में ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों तथा लक्षित हत्याओं में शामिल है। एसबीएन स्थानीय सहयोगियों को पैसे देकर पुलिस, रक्षा और धार्मिक स्थलों की रेकी करवाता था और जासूसी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाता था। एनआईए भट्टी के खिलाफ कई मामलों की जांच कर रही है, जिनमें पंजाब के जालंधर में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रोजर संधू के घर पर मार्च 2025 में हुए ग्रेनेड हमले से कथित संबंध का मामला भी शामिल है।

तमिलनाडु में 75 हजार तक के सहकारी कृषि ऋण होंगे पूरी तरह माफ

मुख्यमंत्री विजय ने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को 75,000 रुपये तक के सहकारी कृषि ऋण को पूरी तरह माफ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने 75,000 रुपये से एक लाख रुपये के बीच के ऋणों पर भी 75,000 रुपये तक की छूट देने की घोषणा की। विजय ने इस बात पर जोर दिया कि कृषि राज्य की रीढ़ है और देश की समृद्धि किसानों के सहयोग पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि राज्य के सामने वित्तीय बाधाओं के बावजूद उनकी सरकार ने किसानों को 953.06 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता देने का फैसला किया है।

विधानसभा में नियम 110 के तहत इस ऋण माफी की घोषणा करते हुए विजय ने कहा कि सरकार ने मई में पद संभालने के 15 दिनों के भीतर 50,000 रुपये तक के कृषि ऋण माफ किए थे। बाद में इसे बढ़ाकर 75,000 रुपये तक के ऋणों को पूरी तरह माफ करने और 75,000 रुपये से अधिक के ऋणों पर 35,000 रुपये की छूट देने का फैसला किया गया जिससे 14.44 लाख से अधिक किसानों को लाभ हुआ। मुख्यमंत्री ने अतिरिक्त लाभों की घोषणा करते हुए कहा कि सात अगस्त, 2026 को कृषि यूनियन के साथ हुई बातचीत के बाद सरकार ने मौजूदा वित्तीय बाधाओं और भारतीय रिजर्व बैंक के उन दिशा-निर्देशों के बावजूद अतिरिक्त राहत देने का फैसला किया है जिनके तहत सहकारी बैंकों के साथ जल्द निपटान करना आवश्यक था। उनकी घोषणा के अनुसार, अब 75,000 रुपये तक के सहकारी कृषि ऋण पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। 75,000 रुपये से एक लाख रुपये के बीच के ऋण पर 75,000 रुपये तक की छूट मिलेगी और एक लाख रुपये से अधिक के ऋण पर अधिकतम 35,000 रुपये की ऋण माफी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस पहल से 1.38 लाख से अधिक किसानों को अतिरिक्त मदद मिलेगी। इसके तहत सरकार लगभग 953.06 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता देगी और 13.34 लाख किसानों के लिए कुल ऋण माफी की राशि बढ़कर 6,220 करोड़ रुपये हो जाएगी।''

वंदे मातरम् घटना : दिल्ली पुलिस सोनिया, राहुल के खिलाफ शिकायत की जांच कर रही

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि वह 15 अगस्त को यहां कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में 'वंदे मातरम' गाने के दौरान एक कथित घटना संबंधी शिकायत की जांच कर रही है। एक वकील द्वारा 16 अगस्त को आईपी एस्टेट थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसमें कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। पुलिस ने एक बयान में कहा, ''एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस) मुख्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में वंदे मातरम् के गायन के दौरान कथित घटना के संबंध में शिकायत की जांच की जा रही है।''

शिकायत के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जब राष्ट्रीय गीत गाया जा रहा था तो प्रारंभिक भाग गाए जाने के बाद सोनिया गांधी ने कथित तौर पर कुछ इशारा किया। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि इशारों से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें गाने को जारी रखने पर आपत्ति है। इसमें उस वीडियो का भी जिक्र किया गया जिसमें राहुल गांधी कथित तौर पर यह कहते हुए सुने गए, हम वंदे मातरम् नहीं गा रहे हैं। शिकायतकर्ता ने निष्पक्ष जांच और दोनों नेताओं के जिम्मेदार पाए जाने पर उचित कार्रवाई की मांग की है।

भारत-थाईलैंड के बीच 18 से 31 अगस्त तक होगा 'संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री'

नई दिल्ली/भाषा। भारत और थाईलैंड के बीच 18 अगस्त से 31 अगस्त तक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास आयोजित किया जाएगा जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत जंगल और अर्ध-शहरी इलाकों में संयुक्त रूप से उग्रवाद एवं आतंकवाद रोधी अभियान संबंधी क्षमताओं को बढ़ाना है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'मैत्री' नामक इस अभ्यास का आयोजन थाईलैंड के सूरत थानी प्रांत स्थित विभावदि रंगसित शिविर में किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारतीय सेना की टुकड़ी सोमवार को भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास के 15वें संस्करण में भाग लेने के लिए थाईलैंड रवाना हो गई।भारतीय सेना और रॉयल थाई सेना की टुकड़ियों में 85-85 जवान शामिल हैं।

बयान में कहा गया, ''भारतीय सेना की टुकड़ी में मुख्य रूप से 9 गोरखा राइफल्स के जवान शामिल हैं, जबकि रॉयल थाई सेना की टुकड़ी में 5वीं डिवीज़न की 25वीं इन्फेंट्री ब्रिगेड की तीसरी बटालियन के जवान शामिल हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि इस अभ्यास में कंपनी स्तर का संयुक्त प्रशिक्षण शामिल होगा, जो जंगल और अर्ध-शहरी इलाकों में अभियानों पर केंद्रित होगा। यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-7 के तहत जंगल और अर्ध-शहरी इलाकों में संयुक्त रूप से उग्रवाद/आतंकवाद रोधी अभियान चलाने संबंधी क्षमताओं को बढ़ाएगा। 'अभियान मैत्री' का पिछला संस्करण सितंबर 2025 में मेघालय के उमरोई स्थित 'फॉरेन ट्रेनिंग नोड' में आयोजित किया गया था। वर्ष 2006 में शुरू हुआ यह अभ्यास भारत और थाईलैंड के बीच बेहतरीन तौर-तरीके साझा करने तथा सैन्य सहयोग को मजबूत करने का एक अहम मंच है।

लोकसेवकों को 'पूरे सेवा भाव' के साथ जनता की सेवा करनी चाहिए : राजनाथ

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि लोक सेवकों को पूरे सेवा भाव के साथ बड़ी भूमिका निभानी चाहिए, लोगों के अनुकूल तरीके से सेवाएं देनी चाहिए और नियमित रूप से उनकी शिकायतें सुननी चाहिए। सिंह ने यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा के 2025 बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं के एक समूह से बातचीत के दौरान यह बात कही। ये अधिकारी यहां राष्ट्रीय रक्षा संपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीईएम) में प्रशिक्षण ले रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अधिकारी प्रशिक्षुओं ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की। सिंह ने देशभर में रक्षा भूमि के प्रबंधन और छावनी बोर्डों के नगर प्रशासन में रक्षा संपदा विभाग की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने लोगों की बदलती आकांक्षाओं को पूरा करने में लोकसेवकों की भूमिका पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि लोक सेवकों को 'पूरे सेवा भाव' के साथ बड़ी भूमिका निभानी चाहिए और लोगों के अनुकूल तरीके से सेवाएं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नियमित रूप से लोगों से मिलना चाहिए और उनकी समस्याओं को समझने तथा उनमें भरोसा पैदा करने के लिए उनकी शिकायतें सुननी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोक सेवकों और नए अधिकारियों को अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर भी समान रूप से ध्यान देना चाहिए।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

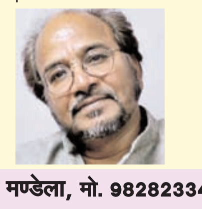

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

माया-जाल

बोलो कब छूटी है किनसे,
यूं झटपट दुनियावी माया।
मायावी बन बैठे त्यागी,
सच में उन सबने भरमाया।
माया की पोल खुली जिसकी,
वो बिना बात ही गरमाया।
माया का मायाजाल देख,
हर मायापति भी शरमाया।

राष्ट्रीय राजनीति में भेजे जाने की अटकलों के बीच फडणवीस ने कहा : महाराष्ट्र की सेवा करता रहूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अपनी दिल्ली यात्रा के बाद राष्ट्रीय राजनीति में जाने की अटकलों को खारिज करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि उनका यह दौरा राज्य की विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए है। फडणवीस ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि महाराष्ट्र की जनता और केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें राज्य की जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे वह आगे भी निभाते रहेंगे।

उन्होंने कहा, ''चाहे मैं दिल्ली में रहूं या मुंबई में, लोग तरह-तरह की अटकलें लगाते रहते हैं। मुझे लगता है कि कई लोगों के पास करने को कुछ और नहीं है, इसलिए उन्हें मेरे बारे में चर्चा करने में मजा आता है। उन्हें मजा लेने दीजिए।'' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता और प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें राज्य की ज़िम्मेदारी सौंपी है तथा वह राज्य की सेवा करते रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नयी राष्ट्रीय टीम के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, ''सच कहूं तो मैंने अभी तक सूची नहीं देखी है। आप जानते हैं कि मैं अभी-अभी एक बैठक से निकला हूं। लेकिन अगर टीम की घोषणा हो गई है और उसमें महाराष्ट्र से कोई शामिल है, तो हमें खुशी है। मैं पूरी सूची को एक बार देखूंगा और फिर उस पर बात करूंगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह केंद्र के साथ महाराष्ट्र की कई परियोजनाओं-जिनमें अवसंरचना, औद्योगिक विकास और लंबित मंजूरियां शामिल हैं-पर चर्चा करने के लिए दिल्ली आए हैं। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें दिल्ली भेजे जाने की अटकलों के पीछे कौन है, तो उन्होंने कहा, बहुत से लोगों को लगता है कि मुझे दिल्ली जाना चाहिए। मैं सभी से कहता हूं कि मैं मुंबई में ही हूं।

जोधपुर एसोसिएशन मनाया स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्वतंत्रता दिवस पर जोधपुर एसोसिएशन चेन्नई ने इस वर्ष एक अनूठी पहल करते हुए सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के साथ स्वतंत्रता दिवस आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने पोरूर जैन मंदिर, श्री त्रिलोक्य शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर तीर्थ (सेन्थामंगलम) तथा पार्श्व पद्मावती श्वेतांबर गोशाला जैन मंदिर (श्रीपेरंबुदूर) में दर्शन-पूजन कर धर्म लाभ प्राप्त किया। यात्रा के दौरान पूजा-अर्चना,धार्मिक अनुष्ठान, गौसेवा एवं सामूहिक भोजन का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरे वातावरण में श्रद्धा,सेवा और आत्मीयता का भाव देखने को मिला। एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंघवी, संदीप मेहता, तरुण मेहता, पंकज मेहता, कोषाध्यक्ष विनीत सिंघवी, मोनिक रूनवाल, अभिषेक श्रीश्रीमाल, सतीश भंडारी एवं निर्मल छल्लानी आदि उपस्थित थे।

तारापीठ में होटल में आग लगने से आठ लोगों की मौत

तारापीठ/भाषा। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में सोमवार तड़के एक होटल में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने होटल में आग बुझाने की उचित व्यवस्था न होने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के समय होटल में 43 लोग मौजूद थे, जिनमें से एक अस्पताल में भर्ती है, जबकि 34 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने वाले विधेयक को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है।

संसद के दोनों सदनों ने पिछले हफ्ते केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को पारित किया था। राज्यसभा में, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि केरल विधानसभा ने 2024 में संकल्प पारित कर केंद्र सरकार से अपील की थी कि संविधान के अनुच्छेद 3 के अनुसार राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने के लिए तत्काल कदम उठाया जाए। उन्होंने कहा, ''विधेयक में यह प्रावधान है कि केरल राज्य को 'केरलम' राज्य के नाम से जाना जाएगा और इसलिए केरल राज्य का नाम बदल 'केरलम' करने का प्रस्ताव किया है।'' केरल सरकार ने जून 2024 में राज्य विधानसभा द्वारा नाम परिवर्तन के संबंध में पारित संकल्प केंद्र के पास भेजा था। इसके बाद, राष्ट्रपति मुर्मू ने विधेयक पर राय जानने के लिए इसे राज्य विधानसभा के पास भेजा जिसके बाद विधानसभा ने विधेयक का समर्थन करते हुए सर्वसम्मति से एक संकल्प पारित किया। विधेयक के उद्देश्यों के अनुसार, केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक में राज्य का नाम बदलने का प्रावधान है और इसमें संविधान में आवश्यक संशोधन और उससे जुड़े अन्य प्रावधान शामिल हैं।

कोल्लम में लापता सातवीं कक्षा के छात्र का शव मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम/भाषा। केरल में पदनयारकुलंगरा से 15 अगस्त को लापता हुए 12 वर्षीय एक बच्चे का शव सोमवार को एक झील से बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सातवीं कक्षा के छात्र बिलाल का शव कोथुमुक्कू में एक पुल के पास मिला। बिलाल साइकिल से खेलने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। इसके बाद उसके परिवार ने शिकायत दर्ज कराई और शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे से उसकी तलाश शुरू की। बाद में कन्नेट्टी झील के पास उसकी साइकिल और कुछ कपड़े मिले, जिसके बाद जलाशय में उसकी तलाश शुरू की गई। बचाव कर्मियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर झील में तलाश की, लेकिन बच्चे का पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह चलाए तलाश अभियान के दौरान बिलाल का शव बरामद किया गया।

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एक दिन भारत का हिस्सा बनेंगे, धैर्य रखें : रामदेव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। योग गुरु रामदेव ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एक दिन फिर से भारत का हिस्सा बन जाएंगे और लोगों से धैर्य रखने की अपील की।

योग गुरु रामदेव ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि देश में हिंदू धर्म, इस्लाम या ईसाई धर्म को कोई खतरा नहीं है, बल्कि भारत का सम्मान और गरिमा दांव पर है। पाकिस्तान में हिंदुओं की स्थिति पर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए रामदेव ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं को अत्याचार और अन्याय का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं द्वारा सहे गए अत्याचार और अन्याय मानव सभ्यता की सबसे बड़ी क्रूरताओं में से हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। रामदेव ने कहा, वह दिन भी आएगा जब पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान फिर से भारत में मिल जाएंगे। बस थोड़ा धैर्य रखें। धर्मांतरण और इसे रोकने के लिए छत्तीसगढ़ में बनाए गए कानून के मुद्दे पर रामदेव ने कहा कि हिंदुओं, ईसाइयों या मुसलमानों के उत्पीड़न के आरोप राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा हैं और वह इसमें शामिल नहीं होना चाहते। उन्होंने कहा, देश में जो भी धार्मिक बदलाव हुए हैं, कम से कम यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में किसी को प्रताड़ित न किया जाए। हिंदू धर्म, इस्लाम या ईसाई धर्म को कोई खतरा नहीं है। खतरा भारत के सम्मान और गरिमा को है। रामदेव ने कहा कि उनका सपना भारत को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र और इसके नागरिकों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के रूप में देखना है। मैं चाहता हूँ कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे अच्छी बने, रुपये का मूल्य कम से कम डॉलर और पाउंड के बराबर हो और भारतीय पासपोर्ट इतना मजबूत हो कि भारतीयों को दुनिया में कहीं भी वीजा की आवश्यकता न पड़े।

मणिपुर में जनगणना प्रक्रिया से पहले एनआरसी की मांग को लेकर छात्रों ने निकाली रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में जनगणना गतिविधि शुरू किए जाने से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की मांग को लेकर सोमवार को सैकड़ों छात्रों ने रैली निकाली। छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर इंफाल पश्चिम जिले के तिद्दिम रोड से करीब दो किलोमीटर तक रैली निकाली।

उन्होंने हाथों में पोस्टर लेकर ''एनआरसी नहीं, जनगणना नहीं'' जैसे नारे लगाए। उन्होंने यह भी मांग की कि जनगणना की कोई भी गतिविधि शुरू होने से पहले, आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों को उनके मूल घरों में वापस भेजा जाए। यह प्रदर्शन 'कैंपेन फॉर जस्ट एंड फेयर डिलिमिटेशन (जेएफडी) स्टूडेंट विंग' के बैनर तले आयोजित किया गया। छात्रों ने नागरिकता की पहचान और राज्य में जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर चिंता जताते हुए सरकार से एनआरसी की प्रक्रिया पूरी होने तक जनगणना की कवायद स्थगित रखने की भी मांग की।

इंफाल स्थित डीएम कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन में छात्र प्रदर्शनकारियों के एक अलग समूह, जिसमें ज्यादातर छात्राएं थीं, ने जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की।

हालांकि, सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक दिया। इंफाल पूर्व स्थित सीसी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र भी एनआरसी लागू करने की मांग को लेकर नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए।

बारिश से रेलवे पटरी के नीचे की मिट्टी बही, बारिपदा-बांगिरिपोसी मार्ग पर ट्रेन सेवाएं निलंबित

बारिपदा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से रेल की पटरियों के नीचे की मिट्टी बह जाने के बाद बारिपदा-बांगिरिपोसी रेल मार्ग पर ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, बारिश का पानी आने के कारण करीब 50 मीटर तक पटरियों के नीचे की मिट्टी और कंक्रीट बह गया। यह घटना स्टेशन बाजार क्षेत्र के सुनागड़िया के पास हुई। दक्षिण पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, बेतनोटी और भंजपुर के बीच केएम 52/2 से 52/3 के बीच एलसी-36 के पास भूस्खलन की सूचना मिली है। ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं और मरम्मत एवं बहाली का काम जारी है। रेल की पटरियों को हुए नुकसान का पता रविवार देर रात एक डीएमयू ट्रेन के गुजरने के दौरान चला। इससे पहले पुरी-बांगिरिपोसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस इस हिस्से से गुजर चुकी थी। अधिकारी ने बताया कि इस मार्ग पर ट्रेन परिचालन रविवार रात से ही रोक दिया गया है। इस बीच, रेलवे के रखरखाव दल ने मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। कर्मचारी आधी रात से ही घटनास्थल पर मार्ग बहाल करने के कार्य में जुटे हुए हैं।

गोदावरी नदी में कूदकर पंचायती राज इंजीनियर, पत्नी, बेटी ने दी जान, बेटे को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजामहेंद्रवरम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। राजमहेंद्रवरम में सड़क सह रेल पुल के पास गोदावरी नदी में कूदकर पंचायती राज विभाग के एक सहायक अभियंता, उनकी पत्नी और बेटी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, जबकि स्थानीय मछुआरों ने उनके बेटे को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

दक्षिण क्षेत्र की पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) ए शिवप्रिया ने बताया कि मृतक की पहचान गोल्लापुडी नुकाराजू के रूप में हुई है, जो काकीनाडा जिले (पूर्व में पूर्वी गोदावरी) के पीथापुरम में पंचायती राज विभाग में सहायक अभियंता थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस हादसे में नुकाराजू की पत्नी और उनकी बेटी सौजन्या की भी मौत हो गई। डीएसपी शिवप्रिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, एक ही परिवार के तीन लोगों ने गोदावरी में कूदकर आत्महत्या कर ली, जबकि उनके पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले बेटे को मछुआरों ने सुरक्षित बचा लिया। उन्होंने बताया कि नुकाराजू रविवार शाम अपनी पत्नी, बेटी सौजन्या और बेटे के साथ एक चालक के गाड़ी में राजमुंदरी की ओर जा रहे थे। डीएसपी ने बताया कि कोव्वूर पहुंचने के बाद परिवार ने चालक को भुगतान किया और उसे जाने को कह दिया। इसके बाद वे अपनी गाड़ी में राजमुंदरी की ओर बढ़े, जिसे सौजन्या चला रही थी।

राम माधव, स्मृति ईरानी, बिप्लब देब भाजपा की नई टीम में शामिल

पीयूष गोयल कोषाध्यक्ष बनाये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की जिसमें राम माधव, लोकसभा सदस्य डी. पुरंदेश्वरी और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत समेत 13 उपाध्यक्ष नियुक्त किये गए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार, पार्टी ने बी.एल. संतोष को राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बनाए रखा है। वहीं, अपनी आठ राष्ट्रीय महासचिवों की टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को शामिल किया है। विनोद तावड़े और सुनील बंसल ही ऐसे दो राष्ट्रीय महासचिव हैं, जिन्हें पार्टी ने अपनी नई टीम में बरकरार रखा है। भाजपा ने अलग-अलग राज्यों से 16 राष्ट्रीय सचिवों की अपनी टीम में कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, संदीप पाठक और मनोज तिग्गा समेत कई नये चेहरों को शामिल किया है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के अलावा वैजयंत जे. पांडा और रेखा वर्मा को भी उपाध्यक्ष बनाये रखा गया है।

भाजपा की राष्ट्रीय टीम में बढ़ा मध्यप्रदेश का दबदबा, छह नेताओं को मिली जगह

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम में इस बार मध्यप्रदेश का दबदबा बढ़ा है, जिसमें राज्य के छह नेताओं को राष्ट्रीय महासचिव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख पदों पर जिम्मेदारी दी गई है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम में मध्यप्रदेश से सिर्फ दो ही नाम शामिल थे, जिनमें एक सचिव के पद पर थे जबकि दूसरे पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। भाजपा के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से घोषित राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में मध्यप्रदेश की खरगोन-बड़वानी लोकसभा सीट से सांसद गजेन्द्र पटेल को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे लाल सिंह आर्य को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

इनके अलावा इस सूची में मध्यप्रदेश के खजुराहो से लोकसभा सदस्य विष्णु दत्त शर्मा, राज्यसभा सदस्य बंशी लाल गुर्जर और कविता पाटीदार तथा प्रदेश मीडिया विभाग के प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल के नाम भी शामिल हैं। सूची के अनुसार कविता पाटीदार को जहां राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है, वहीं शर्मा को प्रकोष्ठ संकुल संयोजक बनाया गया है। गुर्जर को किसान मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है जबकि अग्रवाल को मीडिया विभाग का सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। पिछली टीम में गुर्जर किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे जबकि मध्यप्रदेश के ओम प्रकाश धुर्वे सचिव थे। वर्तमान टीम में धुर्वे की जगह पाटीदार को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। लाल सिंह आर्य पिछली टीम में अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।

नासिक में भूकंप के झटके महसूस किए गए

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के नासिक में सोमवार को भूकंप के दो हल्के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार प्राथमिक रिपोर्ट में जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नासिक महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 180 किलोमीटर की दूरी पर है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, सुबह पांच बजकर छह मिनट और दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर पांच किलोमीटर की गहराई में क्रमशः 2.5 और 3 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। जिला प्रशासन के अनुसार जिले के पेठ, सुरगाणा और दिंडोरी तालुकों के कुछ हिस्सों में ये झटके महसूस किए गए।

इससे पहले, नासिक में 25 से 28 जुलाई तक तथा छह, आठ, 10 और 14 अगस्त को भी झटके महसूस किए गए थे। तब सुरगाणा तालुका के भादर और डिंडोरी तालुका के नानाशी में घरों की दीवारों में दरारें आ गई थीं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछले हफ़्ते प्रशासन को निर्देश दिया कि वह नासिक और पालघर जिलों में भूकंपीय गतिविधियों का व्यापक आकलन करें और लोगों, खासकर विद्यार्थियों के बीच जागरूकता अभियान तेज करें।

चिदंबरम का बयान दिखाता है कि उनके कार्यकाल में नक्सलवाद क्यों 'फला-फूला': गुजरात के उप मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने ''दिमागी नक्सल'' वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह इस बात का सबूत है कि केंद्रीय गृह मंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान नक्सलवाद क्यों और कैसे फला-फूला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश को संबोधित करते हुए ''दिमागी नक्सलियों'' को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ये लोग व्यवस्था में गहराई तक अपनी जगह बना चुके हैं और नीतियों को प्रभावित करके समाज के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं।

इसके बाद चिदंबरम ने रविवार को पलटवार करते हुए कहा, ''मुझे 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है!'' संघवी ने रविवार शाम 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ''उन्हें कांग्रेस नेता की बातों से बिल्कुल भी हैरानी नहीं हुई क्योंकि अब हमें पता चल गया है कि पी. चिदंबरम के गृह मंत्री रहते हुए और संप्रग सरकार के दौरान नक्सलवाद क्यों फला-फूला।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा कि आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का रिकॉर्ड खुद सब कुछ बयां करता है। उन्होंने कहा, अब हमें पता है कि 2004-14 के दौरान नक्सलवाद से लड़ते हुए लगभग 1913 पुलिसकर्मी और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान क्यों मारे गए। अब हमें पता है कि संप्रग शासन के दौरान नक्सली हमलों में 5,019 से अधिक लोगों की जान क्यों गई। संघवी ने आरोप लगाया कि अब यह साफ हो गया है कि उनके (चिदंबरम के) कार्यकाल में नक्सलियों के 92 प्रतिशत हथियार पुलिस शस्त्रागारों से क्यों लूटे गए थे। उप मुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा, अब हमें पता है कि 2013 में 182 जिले नक्सली हिंसा के शिकंजे में क्यों थे। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कहा कि देश जंगलों से 'सशस्त्र नक्सलवाद' को खत्म करने में सफल रहा है लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि इसके वैचारिक समर्थक हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के मौके तलाश रहे हैं।

गड्ढ़ों से हुई मौतों को लेकर अधिकारियों, ठेकेदारों के खिलाफ मामले दर्ज होने चाहिए : राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने नासिक में गड्ढों और बदहाल बुनियादी ढांचे को लेकर सोमवार को महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों तथा ठेकेदारों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के मामले दर्ज करने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण 10 लोगों की जान जा चुकी है। नासिक नगर निगम (एनएमसी) मुख्यालय तक 'जन आक्रोश मोर्चा' का नेतृत्व करते हुए राज्यसभा सदस्य राउत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और कुंभ मेला मंत्री गिरीश महाजन पर निशाना साधा। राउत ने आगामी 2027 सिंहस्थ कुंभ मेले से जुड़ी परियोजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

सैकड़ों नागरिकों और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) कार्यकर्ताओं ने इस मोर्चे में हिस्सा लिया। यह मार्च शालीमार चौक स्थित पार्टी कार्यालय से शुरू होकर एनएमसी मुख्यालय राजीव गांधी भवन के पास समाप्त हुआ। राउत ने कहा, ''शहर में सिंहस्थ कुंभ मेले के नाम पर चल रहे कामों और सड़कों पर बने गड्ढों की वजह से 10 बेगुनाह लोगों की जान चली गई है। ये लोग (फडणवीस और महाजन) सड़कों के गड्ढे तक नहीं भरवा सके और कुंभ मेले के आयोजन की बात कर रहे हैं।''

उन्होंने आरोप लगाया कि ये मौतें प्रशासन द्वारा की गई हत्याएं हैं और ठेकेदारों तथा एनएमसी आयुक्त के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के मामले दर्ज किए जाने चाहिए। राउत ने दावा किया, ''कुंभ मेले का बजट 15,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 45,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। पहले 15,000 शौचालय बनाने थे, अब 55,000 शौचालय बनाए जाएंगे। इनमें 10,000 वीआईपी शौचालय शामिल हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या वीआईपी शौचालयों में सोने के कमोड होंगे? यह गिरीश महाजन और भाजपा का शौचालयों में भ्रष्टाचार का 'जामनेर पैटर्न' है, जिसे उन्होंने राज्य में लागू किया है।'' विरोध मार्च के बाद शिवसेना (उबाठा) के पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एनएमसी आयुक्त से मुलाकात की और अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा।

भोगपुरम हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयनगरम/भाषा। आंध्र प्रदेश के भोगपुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं शुरू हो गईं। पहली वाणिज्यिक उड़ान हैदराबाद से इंडिगो की थी, जो हवाई अड्डे पर पहुंची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक अगस्त को इस हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने हवाई अड्डे पर पहली वाणिज्यिक उड़ान सेवा को हरी झंडी दिखाई और यात्रियों को बोर्डिंग पास सौंपे। इसके बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु से आने वाली उड़ान भी हवाई अड्डे पर पहुंची। नायडू ने एक संदेश में कहा, अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ान सेवाओं की शुरुआत बेहद खुशी और गर्व का विषय है। यह उत्तर आंध्र प्रदेश के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है और यह क्षेत्र के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, हवाई अड्डे पर पहुंचे यात्रियों ने इसके बुनियादी ढांचे, वास्तुकला और सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा केवल एक इमारत के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्र के इतिहास, विरासत और संस्कृति के प्रतीक के रूप में बनाया गया है।

विशाखापत्तनम हवाई अड्डे का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह उन लोगों की भावनाओं को समझते हैं, जो वहां नियमित वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं बंद होने से दुखी हैं। विशाखापत्तनम हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल अब सामान्य वायुयान चालन के तहत निजी उड़ानों के लिए किया जा रहा है। भोगपुरम हवाई अड्डे तक पहुंच के लिए बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया जा रहा है। कई सड़कों को चौड़ा किया जा रहा है और सोंत्यम रोड समेत सात प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर निर्धारित वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं 16 अगस्त को बंद हो गईं। वहां से आखिरी उड़ान इंडिगो की 6ई 2018 थी, जिसने रात 10 बजकर 45 मिनट पर दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

मुख्यमंत्री विजय ने 'तीन तमिलों' की 'हत्या' की निंदा की, कहा-

कर्नाटक वन विभाग का स्पष्टीकरण अस्वीकार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कर्नाटक वन विभाग की गोलीबारी में तीन तमिलों'' के मारे जाने की घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि इस घटना पर विभाग की ओर से दी गई ''सफाई स्वीकार्य नहीं'' है। वन विभाग की गोलीबारी की घटना की उच्च-स्तरीय जांच की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे ''बेहद पीड़ादायक'' बताया और कहा कि कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुक के गांवों में रहने वाले तमिलों – एंथनी सैमी, जॉन रोज पीटर और कुमार को 15 अगस्त की सुबह कावेरी वन्यजीव अभयारण्य इलाके में वन विभाग के कर्मियों ने गोली मार दी थी।

मुख्यमंत्री ने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं इस निर्मम हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। इस घटना के बारे में कर्नाटक वन विभाग ने जो सफाई दी है, वह स्वीकार्य नहीं है। इस जघन्य घटना की जांच एक उच्च-स्तरीय समिति से निष्पक्ष रूप से कराई जानी चाहिए।''

उन्होंने मांग की कि दोषियों को उचित सजा दी जाए और पड़ोसी राज्य पीड़ितों के परिवारों को आवश्यक मुआवजा दे।

विजय ने कहा, ''मैं कर्नाटक सरकार से आग्रह करता हूं कि कर्नाटक सरकार उचित कदम उठाए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं हों।'' तमिल मूल के तीन लोगों की ''हत्या'' पर हैरानी जताते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने इसे क्रूर और अमानवीय कृत्य'' करार दिया तथा तमिलनाडु सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे की तरह इस मामले में भी ''चुप नहीं रहने'' का आग्रह किया।

यह घातक घटना शनिवार तड़के कावेरी वन्यजीव अभयारण्य के शग्या रेंज के घने वन क्षेत्र में हुई। वनकर्मियों को संदिग्ध शिकार की गतिविधि की सूचना मिली थी जिसके बाद उनका सामना चार लोगों से हुआ। इनमें से एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए लोगों में से एक की पत्नी की औपचारिक शिकायत के बाद हनूर पुलिस ने घटना में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ हत्या की सजा से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने दोहराया कि उन्होंने मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश दिए गए हैं और भरोसा दिलाया कि सरकार मृतकों के परिजनों को मुआवजा देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जांच के दौरान गोलीबारी से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी पेश करेंगे जिसमें यह भी शामिल होगा कि क्या कथित अपराधियों ने आत्मरक्षा में वनकर्मियों पर गोली चलाई थी या उन्होंने खुद गोलीबारी शुरू की थी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि : विधानसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष जे सीडी प्रभाकर ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होना तमिलनाडु के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रभाकर ने कहा कि इस अवधि ने पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन की दिशा में बदलाव की शुरुआत की है। सामाजिक कल्याण, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के लिए कौशल विकास एवं राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने की कोशिशों जैसे कई कार्यों के लिए मुख्यमंत्री की तारीफ करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन को बताया कि विजय ने साबित कर दिया है कि मौजूदा (टीवीके) सरकार जनता की है।

प्रभाकर ने कहा, कार्यकाल के शुरुआती 100 दिन तमिलनाडु के इतिहास में एक नया बदलाव लेकर आया है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक कल्याण योजनाओं, 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, सहकारी कृषि ऋण माफ करने, गरीबों के लिए अच्छे मकान बनवाने, कौशल विकास योजनाओं जैसे कई सराहनीय कदम उठाए हैं, जिससे साबित होता है कि यह जनता की सरकार है।

अध्यक्ष ने कहा, ''यह उपलब्धि तमिलनाडु के भविष्य के सपनों को साकार करने के लिए मजबूत आधार तैयार करती है और राज्य में पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन स्थापित करने के साथ इसे समृद्ध और मजबूत बनाने की दिशा में मदद करेगी।''

कई परिवर्तनकारी बदलाव हुए : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में अहम कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के पहले 100 दिनों पर एक आधिकारिक वीडियो और कई इन्फोग्राफिक्स' जारी किया। वहीं तमिलनाडु मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओटी) ने प्रारंभिक 100 दिनों के शासन को आने वाली ''पीढ़ियों के लिए शासन'' बताया। इस मल्टीमीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि सरकार ने चुनावी वादों को तेजी से और निर्णायक तरीके से लागू करने का प्रयास किया है तथा राज्य के दीर्घकालिक विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।

इस 100 दिनों की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति, महिलाओं की सुरक्षा के लिए ''विशेष सिंगापेन'' कार्यबल की तैनाती और युवाओं को नशे से बचाने के लिए राज्यव्यापी मादक पदार्थ विरोधी अभियान का उल्लेख किया गया है। 'इन्फोग्राफिक्स' में आर्थिक उपलब्धियों को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। इनमें वेत्री 'तमिलनाडु निवेश सम्मेलन' के माध्यम से 1.02 लाख करोड़ रुपये के निवेश जुटाना, वेत्री आवास योजना शुरू करना, सीमांत किसानों के लिए कृषि ऋण माफी और तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) की 717 शराब दुकानों को बंद करना शामिल है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि वीडियो और दृश्य सामग्री से पता चलता है कि सरकार संस्थागत जवाबदेही, तेज बुनियादी ढांचा विकास और समावेशी कल्याण योजनाओं पर केंद्रित है, जिनका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा। वीडियो और दृश्य सामग्री से पता चलता है कि सरकार संस्थागत जवाबदेही, तेज बुनियादी ढांचा विकास और समावेशी कल्याण योजनाओं पर केंद्रित है, जिनका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा। वीडियो में प्रशासन की अपने वादों को पूरा करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को भी उजागर किया गया है। 'इन्फोग्राफिक्स' में कई कल्याणकारी योजनाओं का भी विशेष उल्लेख किया गया है, जिनमें नवजात बच्चों को 'थाईमामन थंगा मोथिरम' (मामा की ओर से स्वर्ण अंगूठी) योजना के तहत एक ग्राम सोने की अंगूठी, पात्र महिलाओं को विवाह उपहार के रूप में आठ ग्राम सोने का सिक्का और रेशमी साड़ी, वेत्री कौशल प्रशिक्षण योजना, स्कूली बच्चों के लिए पेरुंथलैवर कामराजर नाश्ता योजना, गरीबों के लिए आवास योजना और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं शामिल हैं।

तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर ने सोमवार को सदन में मुख्यमंत्री की सामाजिक कल्याण से जुड़ी पहल की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होना तमिलनाडु के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन की शुरुआत हुई है। सामाजिक कल्याण, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के लिए कौशल विकास एवं राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने की कोशिशों जैसे कई कार्यों के लिए मुख्यमंत्री की तारीफ करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विजय ने साबित कर दिया है कि मौजूदा (टीवीके) सरकार जनता की सरकार है।

प्रभाकर ने कहा, ''कार्यकाल के शुरुआती 100 दिन तमिलनाडु के इतिहास में एक नया बदलाव लेकर आया है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक कल्याण योजनाओं, 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, सहकारी कृषि ऋण माफ करने, गरीबों के लिए अच्छे मकान बनवाने, कौशल विकास योजनाओं जैसे कई सराहनीय कदम उठाए हैं, जिससे साबित होता है कि यह जनता की सरकार है।'' अध्यक्ष ने कहा, ''यह उपलब्धि तमिलनाडु के भविष्य के सपनों को साकार करने के लिए मजबूत आधार तैयार करती है और राज्य में पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन स्थापित करने के साथ इसे समृद्ध और मजबूत बनाने की दिशा में मदद करेगी।''

अन्नाद्रमुक के तीन विधायकों के इस्तीफे की मंजूरी वैध थी : तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय में कहा अन्नाद्रमुक के तीन पूर्व विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करना वैध था और इसमें कोई कानूनी या संवैधानिक त्रुटि नहीं थी, जैसा कि विपक्षी पार्टी के मुख्य सचेतक अग्री एस.एस. कृष्णमूर्ति ने दावा किया था।

मुख्य न्यायाधीश एस ए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की पीठ, जिसके समक्ष विधानसभा अध्यक्ष ने अपना हलफनामा दाखिल किया था, ने मामले की अगली सुनवाई एक सितंबर के लिए निर्धारित कर दी।

कृष्णमूर्ति ने अपनी याचिका में, विधानसभा अध्यक्ष द्वारा तीन विधायकों एस जयकुमार, मरगथम कुमारवेल और पी सत्यभामा के इस्तीफे को मंजूरी देने को चुनौती दी है। प्रभाकर ने अपने हलफनामे में दलील दी कि जब उन तीनों लोगों ने उन्हें अपना त्याग पत्र सौंपा जो उन्होंने खुद अपने हाथों से लिखे थे तो उनके व्यवहार और तौर-तरीकों से उन्हें ऐसा जरा भी नहीं लगा कि इस्तीफा देने के लिए उन पर किसी भी तरह का दबाव डाला गया या उन्हें मजबूर किया गया था।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण)-द्वितीय, उत्तर-पश्चिम रेलवे, जोधपुर निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा (खुली निविदा सिगल स्टेज दोहरी पैकेट पद्धति) आमंत्रित करते है। 1. निविदा सूचना संख्याः DY CE/C-II-JU-EPC. 2. कार्य का नाम स्थान सहितः **Executive of Balance works for Major Redevelopment of Jodhpur Railway station of North Western Railway on Engineering procurement & Construction (EPC).** 3. कार्य की अनुमानित लागतः रु. **4692014371.64** | 4. जमा की जाने वाली बयाना राशिः रु. **93840300.00** | 5. ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समयः **16.09.2026 15.00 बजे तक** | 6. वेबसाईट का विवरण, जहां पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती हैं| www.ireps.gov.in. 7. कार्यालय ई-मेल का पताः dycec2jodhpur@gmail.com.

1197-MG/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

मादक पदार्थों के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा, द्रमुक का बहिर्गमन

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु विधानसभा में राज्य में मादक पदार्थों के सेवन और उससे जुड़े अपराधों के मुद्दे पर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) और विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मुद्दा जब भ्रष्टाचार के आरोपों, पिछली द्रमुक सरकार के दौरान मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के तरीकों और मौजूदा टीवीके सरकार की ओर से इस खतरे पर लगाम लगाने के प्रयासों तक पहुंचा तो द्रमुक सदस्यों ने यह आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन किया कि मंत्रियों ने उनके सवालों का उचित जवाब नहीं दिया।

विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पिछले एक सप्ताह में राज्य में हिंसक अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए कोयंबटूर में 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की निर्मम हत्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने छात्र द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के बारे में दी गई जानकारी उन्हीं अपराधियों के साथ साझा कर दी, जिसके कारण वह मारा गया। स्टालिन ने कई घटनाओं का जिक्र किया, जिनमें चेन्नई के तिरुवोत्तियूर में एक छात्र की हत्या, पल्लदम में दोहरे हत्याकांड, कांचीपुरम के पास दो युवकों की हत्या और गुडियाथम में एक महिला पुलिस हेड कांस्टेबल को चाकू मारे जाने की घटना शामिल है। उन्होंने सरकार के 'नशा मुक्त तमिलनाडु' अभियानों के बावजूद कथित तौर पर मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों पर नियंत्रण पाने में विफल रहने के लिए उसकी आलोचना की। साथ ही सत्तारूढ़ दल के सदस्यों से जुड़े तूतीकोरिन और रानीपेट जिलों में यौन उत्पीड़न के मामलों को लेकर भी चिंता जताई। उदयनिधि ने सरकार से अपराध दर पर नियंत्रण के लिए तत्काल और कड़ी कार्रवाई करने, पुलिस की जवाबदेही तथा अनुशासन को बढ़ावा देने और हिंसा की समस्या से निपटने के लिए स्कूलों एवं कॉलेजों में परामर्श सत्र शुरू करने की मांग की।

राज्य के विधि मंत्री आर. निर्मल कुमार ने कॉलेज छात्र की मौत से जुड़ी घटनाओं का विस्तृत ब्योरा देते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने जफर सादिक मामले से निपटने के पिछले सरकार के तरीके से इसकी तुलना की। इस पर सदन में सत्तारूढ़ दल और विपक्षी सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई जिसमें खास तौर पर उदयनिधि और कुमार के बीच बहस हुई। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि सरकार पार्टी सदस्यों से जुड़े मादक पदार्थों के मामलों पर कार्रवाई करने में विफल रही है। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर ने सदन में व्यवस्था और गरिमा बनाए रखने का प्रयास किया।

'वंदे मातरम' को लेकर भाजपा, आरएसएस की नफरत की राजनीति' तमिलनाडु में नहीं चलेगी : मणिक्कम टैगोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु की प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष बी. मणिक्कम टैगोर ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का ''राजनीतिकरण'' कर सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने और नफरत की राजनीति को ''बढ़ावा देने'' का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अपरिपक्व राजनीति तमिलनाडु में कामयाब नहीं होगी।

टैगोर ने सोमवार को कहा, ''अगर कोई 'वंदे मातरम' नहीं कहता है तो उसे राष्ट्रविरोधी बताने की कोशिश वाली यह अधपकी (अपरिपक्व) राजनीति तमिलनाडु में नहीं चलेगी।'' कांग्रेस सांसद ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने के पक्ष में हैं और ऐसी विभाजनकारी कोशिशों का मजबूती से विरोध करती हैं। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस मुख्यालय से सामने आए एक वीडियो के वायरल होने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत उसके नेताओं ने आरोप लगाया था कि सोनिया गांधी ने 'वंदे मातरम' के पूरे संस्करण के गायन पर आपत्ति जताई और इसे बीच में रोकने की कोशिश की। कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि राष्ट्रगीत को रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई। टैगोर ने कहा कि महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, के. कामराज, सी. राजगोपालाचारी और धीरा सत्यमूर्ति सहित राष्ट्रीय नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गर्व से वंदे मातरम्' गाया था। उन्होंने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने गीत के मूल अंतरों का सावधानीपूर्वक चयन किया था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे का इस्तेमाल उत्तर भारतीय राज्यों में अपने राजनीतिक विरोधियों को ''राष्ट्रविरोधी'' बताने के लिए कर रही है, जबकि आरएसएस लोगों पर अपना एजेंडा थोपने की कोशिश कर रहा है। कर्नाटक में हाल में वन विभाग के अधिकारियों द्वारा तीन तमिल लोगों को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने की घटना का जिक्र करते हुए टैगोर ने इसे ''अमानवीय कृत्य'' करार दिया। हालांकि, उन्होंने इस मुद्दे को अंतरराज्यीय विवाद का रूप देने या क्षेत्रीय वैमनस्य भड़काने के खिलाफ आगाह किया।

दो एक्सप्रेस ट्रेनों में लगेंगे एलएचबी कोच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दो ट्रेनों के मौजूदा पारंपरिक रेक (कोच) को एलएचबी (लिंके-हॉफमैन-बुश) कोच में बदला जाएगा। ट्रेन नंबर 22661/22662 चेन्नई एग्मोर – रामेश्वरम – चेन्नई एग्मोर सेतु सुपरफास्ट एक्सप्रेस, चेन्नई एग्मोर से 22 अक्टूबर से और रामेश्वरम से 19 अक्टूबर से एलएचबी कोच के साथ चलेगी। वहीं ट्रेन नंबर 20605/20606 चेन्नई एग्मोर – तिरुचेंदूर – चेन्नई एग्मोर चेंदूर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, चेन्नई एग्मोर से 20 अक्टूबर से और तिरुचेंदूर से 21 अक्टूबर से एलएचबी कोच के साथ चलेगी। एलएचबी कोच में बदलने के बाद, इन ट्रेनों में कोचों की संरचना के अनुसार 1 एसी फर्स्ट क्लास, 2 एसी टू टियर, 3 एसी थ्री टियर और एक सेकेन्ड क्लास कोच (दिव्यांग-अनुकूल) और 1-लगेज कम ब्रेक वैन कोच होंगे।

भा रा रा प्रा
NHAI

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय)

जी-5 एवं 6, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणाम

(सेबी के परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/डीडीएचएस_डीआईवी1/पी/सीआईआर/2022/0000000103 दिनांक 29 जुलाई, 2022 के अनुसार)

(₹ लाख में)

क्र.सं	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		30 जून, 2026 अनंकेक्षित	30 जून, 2025 अनंकेक्षित	31 मार्च, 2026 अनंकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (पिछली अवधि, कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(1,36,639.58)	(56,522.43)	(6,28,469.81)
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(1,39,743.55)	(59,155.98)	(6,39,209.65)
4.	कर पश्चात् अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(1,39,743.55)	(59,155.98)	(6,39,209.65)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) तथा अन्य व्यापक आय के बाद (कर पश्चात्)	(1,39,743.55)	(59,155.98)	(6,39,209.65)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	1,23,053,324.67	99,781,311.53	1,18,096,124.67
7.	संचिक कोष (पुनर्मूल्यांकन संचित को छोड़कर)	(8,41,325.55)	7,59,834.99	(7,08,545.32)
8.	सिक्योरिटीज प्रीमियम खाता	–	–	–
9.	नेटवर्थ (6+7)**	1,22,211,999.12	1,00,541,146.52	1,17,387,579.35
10.	प्रदत्त ऋण पूंजी/बकाया ऋण	19,530,371.17	24,161,222.04	20,227,571.73
11.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
12.	ऋण इक्विटी अनुपात***	0.16	0.24	0.17
13.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु. ..../– का) (निरंतरता एवं गैर-निरंतरता प्रचालनों हेतु) 1. बेसिक 2. डाल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
14.	पूंजी विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
15.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
16.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
17.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

*प्राधिकरण भारत सरकार की ओर से परिसंपत्तियां रखता हैं। प्राधिकरण के पास परिचालन आय का कोई स्रोत नहीं है, और इसके सभी कार्य पूरी तरह से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान निर्भर हैं। तदनुसार, लाभ और हानि खाते में दर्शाया गया कोई भी अधिशेष या घाटा केवल प्राप्तियों की तुलना में व्यय की अधिकता को दर्शाता है।

**नेटवर्थ/शेयरधारकों की निधि पूंजी आधार, उपकर निधि, अतिरिक्त बजटीय सहायता, टोल का पुनर्निवेश और इनवीट प्रेषण, पूंजी आरक्षित और लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष शामिल है।

***ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण/ नेट वर्थ (शेयरधारकों की निधि)।

क) उपरोक्त विवरण एलओडीआर नियम के विनियम 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दर्ज तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (**www.bseindia.com** एवं **www.nse.india.com**) तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की वेबसाइट (**www.nhai.gov.in**) पर उपलब्ध है।

ख) एलओडीआर नियम के विनियम 52(4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को उचित उद्घोषणा कर दी गई है तथा जो वेबसाइट (**www.bseindia.com** एवं **www.nse.india.com**) पर देखी जा सकती है।

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से

दिनांक : 17.08.2026
स्थान : नई दिल्ली

ह./- सदस्य (वित्त)

ह./- अध्यक्ष

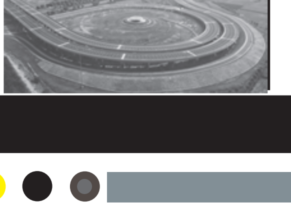

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

देश की बेटियां आज हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि देश की बेटियां आज शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, सुरक्षा, खेल और प्रशासन सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं। हमें ऐसा संस्कारित समाज बनाना है, जहां बेटियां सुरक्षित रहें, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और अपनी प्रतिभा के बल पर देश के विकास में योगदान दें। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में देश की बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कोटा शहर पुलिस और ब्लू डॉट डॉयलॉग संस्था की ओर से आयोजित 'महिला सुरक्षा संकल्प अभियान' के तहत 'सुरक्षा संवाद 2.0' में महिलाओं और छात्राओं से संवाद करते हुए बिरला ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। पुलिस और समाज के बीच बेहतर संवाद तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोटा को सुरक्षित और नशामुक्त शहर बनाना हमारा संकल्प है। कार्यक्रम के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने महिला सुरक्षा अभियान पर बनी डाक्यूमेंट्री फिल्म तथा साइबर एंड वीमेन सेफ्टी पर हैंडबुक का विमोचन भी किया।

बिरला ने कहा कि महिलाओं और छात्राओं का पुलिस के साथ निरंतर संवाद बना रहना चाहिए। जागरूकता बढ़ने और समय पर जानकारी मिलने से अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक और सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोटा देश का प्रमुख शिक्षा केंद्र है, जहां अलग-अलग राज्यों से छात्र-छात्राएं पढ़ने आते हैं।

ऐसे में शहर में सुरक्षित और परिवार जैसा वातावरण बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कोटा में पढ़ने वाली देश के विभिन्न हिस्सों की बेटियों को सुरक्षित माहौल और अच्छी शिक्षा मिलना पूरे शहर के लिए गर्व की बात है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दूर-दराज के क्षेत्रों की बेटियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के समान अवसर मिलें, इसके लिए कोटा-बून्दी की हर पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी। ऑनलाइन कोचिंग और डिजिटल शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्षरता के लिए दादी-नानी की डिजिटल पाठशाला और स्कूलों में बच्चों को प्रारंभिक स्तर से डिजिटल शिक्षा देने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। उद्देश्य है कि संसाधनों के अभाव में किसी बेटी की पढ़ाई और प्रतिभा पीछे न रह जाए।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व बहन-बेटियों की सुरक्षा के साथ सुरक्षित और संस्कारित समाज बनाने का संकल्प भी देता है। उन्होंने महिलाओं से नशामुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज की एकजुटता से ही सुरक्षित, संस्कारित और सशक्त वातावरण तैयार किया जा सकता है।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में नारी को शक्ति के रूप में सम्मान दिया गया है। आज महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता और संवाद की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी भी तरह के दुर्व्यवहार या असहज स्थिति को नजरअंदाज न करें और इसकी तुरंत शिकायत करें। महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है तथा कार्यस्थल, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि पुलिस द्वारा आयोजित महिला सुरक्षा संवाद एक सार्थक पहल है। इसका उद्देश्य केवल महिला सुरक्षा पर चर्चा करना नहीं, बल्कि हर बेटी को सुरक्षित और हर महिला को सम्मान के साथ जीवन जीने का वातावरण देना है। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने की आवश्यकता बताई और कहा कि अपराध होने के बाद कार्रवाई से अधिक जरूरी है कि अपराध को होने से रोका जाए।

लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल सड़क और सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है। कार्यस्थल, घर तथा साइबर अपराध और डिजिटल ब्लैकमेलिंग भी बड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे में जागरूकता और संवाद के माध्यम से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेटियों को पढ़ाने के साथ बेटों को भी महिलाओं का सम्मान करना सिखाना होगा।

महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राजस्थान पुलिस महिला सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बेटियां भय नहीं, बल्कि विश्वास के माहौल में आगे बढ़ें, यही पुलिस का प्रयास है। महिलाओं को किसी भी परेशानी या अपराध की स्थिति में संकोच किए बिना पुलिस से संपर्क करना चाहिए। बालिकाओं को आत्मरक्षा के साथ अपने कानूनी अधिकारों और डिजिटल अपराधों के प्रति भी जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कानून तोड़ने वालों के लिए कोई जगह नहीं है और पुलिस महिला सुरक्षा तथा अपराध नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। इस अवसर पर अतिरिक्त डीजीपी विशाल बंसल, उप महानिरीक्षक पुलिस कुंवर राष्ट्रदीप, जिला कलक्टर पीयूष समारिया, पुलिस अधीक्षक कोटा शहर तेजस्विनी गौतम, पुलिस अधीक्षक कोटा देहात सुजित शंकर सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

आरएसएस का 'वंदे मातरम्' से कोई नाता नहीं रहा : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' से संबंध पर सोमवार को सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस और उनकी विचारधारा का 'वंदे मातरम' से कोई नाता नहीं रहा। गहलोत का यह बयान भाजपा के उस आरोप के बीच आया है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' के पूर्ण गायन पर आपत्ति जताई थी। कांग्रेस ने हालांकि इस आरोप से इनकार किया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को चित्तौड़गढ़ में एक सभा में इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस व इसके नेताओं पर निशाना साधा था। इसका जिक्र करते हुए गहलोत ने एक बयान में कहा, कल चित्तौड़गढ़ में अमित शाह ने वंदे मातरम पर ज्ञान बांटा। यह सुनकर इतिहास के जानकारों को हंसी आई। भाजपा-आरएसएस का वंदे मातरम से क्या संबंध है? यह वही आरएसएस और उनकी विचारधारा है जिसका वंदे मातरम से कभी कोई नाता ही नहीं रहा। उन्होंने कहा आज इतिहास पर प्रवचन दे रहे हैं, यह इनका अपराध बोध है, कुछ और नहीं। इसलिए ये संसद में अब वंदे मातरम को लेकर कानून बना रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार 'वंदे मातरम' गूंजा। 1905 से यह हर कांग्रेस अधिवेशन की परंपरा बन गया। कांग्रेस के नेता 'वंदे मातरम' का उद्घोष करते हुए अंग्रेजों से सीधी टक्कर लेते थे। अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगाया, जुर्माने लगाए, जेल भेजा, लाठियां बरसाईं तब भी कांग्रेसजन और जोश से 'वंदे मातरम' गाते रहे। 1937 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर इसका समावेशी स्वरूप अपनाया गया ताकि यह हर भारतीय का साझा गीत बने।

उन्होंने कहा, लेकिन आरएसएस का कभी 'वंदे मातरम' से कोई लेना देना नहीं रहा। 1925 में आरएसएस के गठन से लेकर 1947 की आजादी तक इन्होंने कभी 'वंदे मातरम' को अपना गीत नहीं बनाया। गहलोत के अनुसार जिस गीत के लिए हजारों देशभक्त फांसी चढ़े, जेल गए, लाठियां खाईं, अंग्रेजों के डर से उसे गाने की हिम्मत आरएसएस कभी नहीं जुटा पाया। उन्होंने कहा इसके बजाय 1939 में जब पूरा देश वंदे मातरम गाकर अंग्रेजों से लोहा ले रहा था, आरएसएस ने अपने लिए अलग प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले' गढ़ ली जिससे अंग्रेजी सरकार आरएसएस से नाराज न हो जाए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, जब 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में देश का बच्चा-बच्चा, बूढ़ा-जवान सड़कों पर अंग्रेजों के खिलाफ उतर पड़ा, आरएसएस उस आंदोलन से दूर रहकर अंग्रेजों की खुशामद में लगा रहा।

उन्होंने कहा कि यही वजह है कि आजादी के बाद देश की जनता ने दशकों तक इन्हें सत्ता से दूर रखा। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, अब सत्ता में आकर यह अपने इतिहास के पन्ने बदलना चाहते हैं, ताकि अपने दागों को धो सकें। पर याद रखिए, भाषणों से इतिहास नहीं बदलता। देश की जनता सब जानती है, इनके यह पाप ऐसे धुलने वाले नहीं हैं।

आईपीडी टावर के लिए चिकित्सक पृथक से नियुक्त किए जाए : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्माणाधीन आईपीडी टावर के कार्यों एवं संचालन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने टावर में चिकित्सा उपकरणों की स्थापना, बेड क्षमता, चिकित्सकीय एवं नर्सिंग स्टाफ, मरीजों के लिए आवश्यक सुविधाओं, प्रशासनिक व्यवस्थाओं सहित विभिन्न कार्यों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने फायर सेफ्टी, एम्बुलेंस की आवाजाही के लिए रैंप तथा मरीजों की सुरक्षा एवं सुविधा से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आईपीडी टावर के संचालन के लिए आवश्यक चिकित्सकों, नर्सिंग एवं अन्य स्टाफ की पृथक एवं पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि टावर शुरू होने के बाद मरीजों को उपचार एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि टावर में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ मरीजों की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप आईपीडी टावर का कार्य निर्धारित समय में पूरा कर इसे शीघ्र आमजन के लिए शुरू किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने तथा विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि आईपीडी टावर में उपचार एवं अन्य सुविधाओं के शुल्क इस प्रकार निर्धारित किए जाएं कि मरीजों एवं उनके परिजनों पर अनावश्यक वित्तीय भार नहीं पड़े। उन्होंने एम्स एवं अन्य राष्ट्रीय स्तर के चिकित्सा संस्थानों में लागू व्यवस्थाओं का अध्ययन कर मरीज हित में उपयुक्त शुल्क निर्धारण की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ सहित विभागीय अधिकारी, चिकित्सक, विभागाध्यक्ष उपस्थित रहें।

प्रगतिशील कृषक मोती लाल बने 'किसान ब्रांड एम्बेसडर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खेत में मेहनत, खेती में नवाचार और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति समर्पण जब किसान हित की भावना से जुड़ता है, तो एक किसान की सफलता हजारों किसानों के लिए प्रेरणा बन जाती है। जयपुर जिले के मौजमाबाद क्षेत्र के प्रगतिशील कृषक मोती लाल ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय कार्यों और व्यावहारिक अनुभवों से ऐसी ही मिसाल कायम की है। उनकी कृषि के प्रति प्रतिबद्धता, नवाचार और किसानों को प्रेरित करने की क्षमता को देखते हुए कृषि विभाग, राजस्थान सरकार ने उन्हें 'किसान ब्रांड एम्बेसडर' एवं ट्रेनर के रूप में जोड़ने का निर्णय लिया है। पंत कृषि भवन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल द्वारा मोती लाल को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में किसान ब्रांड एम्बेसडर एवं ट्रेनर के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर उन्हें कृषि क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। मोती लाल की विशेषता यह है कि वे 10वीं कक्षा तक शिक्षित होने के बावजूद अपने व्यावहारिक कृषि ज्ञान, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और प्रभावशाली संवाद क्षमता के कारण किसानों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। वे एक अच्छे मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं और अपने अनुभवों को सरल एवं प्रभावी तरीके से किसानों तक पहुंचाने की क्षमता रखते हैं।

मोती लाल अब अपने खेत में किए गए सफल प्रयोगों और वर्षों के अनुभव को अपने तक सीमित नहीं रखेंगे। वे राजस्थान के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले कृषक प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, किसान संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेकर किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करेंगे।

छात्राओं ने प्रधानाचार्य के चेहरे पर पोती स्याही

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले के एक सरकारी विद्यालय में छात्राओं ने सोमवार को अपने प्रधानाचार्य के चेहरे पर स्याही पोत दी। छात्राओं ने प्रधानाचार्य पर उनके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना एक सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुई, जहां छात्राओं और उनके अभिभावकों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार रिनवा के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुष्कर थाने के थानाधिकारी अशोक बिशु ने बताया, छात्राओं ने प्रधानाचार्य के चेहरे पर स्याही पोत दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रधानाचार्य को हिरासत में ले लिया।

उन्होंने बताया कि प्रधानाचार्य के खिलाफ छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोप में संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया जा रहा है। अजमेर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद नारायण शर्मा ने बताया कि प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई के लिए रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। उन्होंने कहा, प्रदर्शन की सूचना मिलने पर मैंने एक अधिकारी को विद्यालय भेजा था। अधिकारी ने उन छात्राओं के बयान दर्ज किए, जिन्होंने प्रधानाचार्य पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। कार्रवाई के लिए रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

सरकारी विद्यालयों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने सरकारी विद्यालयों के परिसर में प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना 'बाहरी लोगों' के प्रवेश पर रोक लगा दी है। साथ ही लिखित मंजूरी के बिना स्कूल की गतिविधियों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी पर भी रोक लगा दी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व कांग्रेस पार्टी के अन्य नेताओं ने इसके लिए सरकार की आलोचना करते हुए आदेश वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आदेश वापस नहीं लिया गया तो पार्टी आंदोलन करेगी। उल्लेखनीय है कि कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने हाल ही में घोषणा की थी कि उसकी टीम राज्य के उन विद्यालयों का दौरा करेगी जिनकी हालत 'ठीक नहीं है।' इसके बाद ही राज्य के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने रोक संबंधी यह आदेश निकाला।

राज्य में अनेक जगह सरकारी विद्यालयों के छात्रों द्वारा शिक्षकों की कमी, कक्षा कक्षों की कमी व अन्य बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दों को लेकर हाल ही में विरोध-प्रदर्शन भी हुए थे। इनमें से कई विरोध-प्रदर्शनों को सोशल मीडिया पर काफी कवरेज मिली थी। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इस आदेश का बचाव करते हुए कहा कि इसका मकसद नाबालिग छात्र छात्राओं की निजता, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि इससे आगंतुकों पर पूरी तरह कोई रोक नहीं है।

कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने रविवार सुबह कहा था कि टीम राजस्थान के उन विद्यालयों का दौरा करेगी जिनकी हालत 'खराब' है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, राजस्थान से मुझे अब तक जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, धौलपुर,

भरतपुर, कोटा, बाड़मेर, हनुमानगढ़ में ख़राब स्कूल का निरीक्षण करने का अनुरोध आया है। इन जगहों पर प्रशासन स्कूल ठीक करने की माँग नहीं मान रहा। अगले कुछ दिनों में मैं ये सभी जगह जाऊंगा।

इसके कुछ घंटे बाद ही माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार ने ये निर्देश जारी किए। इनमें कहा गया है कि राज्य सरकार 'अभिभावक के समान दायित्व' के सिद्धांत के अंतर्गत, राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बच्चों की सुरक्षा, गरिमा, निजता एवं कल्याण की विशेष जिम्मेदारी वहन करती है। इनमें कहा गया है कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक बच्चे को जीवन, गरिमा एवं निजता का अधिकार प्रदान करता है। साथ ही निजता के अधिकार को अनुच्छेद 21 के अंतर्गत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान की है।

इनमें कहा गया है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की स्कूल सुरक्षा नीति एवं दिशा-निर्देश इस बात पर बल देते हैं कि प्रत्येक विद्यालय बच्चों के लिए सुरक्षित, संरक्षित एवं बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराए तथा उन्हें शोषण एवं निजता के अतिक्रमण से संरक्षण प्रदान करे। निर्देशों के तहत, प्रधानाचार्य/संस्था प्रधान की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी बाहरी व्यक्ति को विद्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी, केवल शासकीय अधिकारी अपवाद होंगे, जो अपने आधिकारिक दायित्वों के निर्वाह हेतु विधिवत अधिकृत हों।

इसके तहत प्रत्येक आगंतुक विद्यालय परिसर में प्रवेश करने से पूर्व आगंतुक रजिस्टर में अपनी प्रविष्टि करेगा। इसी तरह प्रधानाचार्य, किसी शिक्षक अथवा अधिकृत विद्यालय अधिकारी के साथ हुए बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति कक्षा-कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रावास, खेल मैदान, शौचालय अथवा विद्यार्थियों की किसी भी गतिविधि वाले क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा। इसमें कहा गया है कि प्रधानाचार्य की पूर्व लिखित अनुमति के बिना विद्यार्थियों, शिक्षकों अथवा विद्यालय गतिविधियों की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्षात्कार, ऑडियो रिकॉर्डिंग अथवा लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जाएगी तथा यह केवल विधि सम्मत उद्देश्य के लिए ही अनुमन्य होगी।

निर्देशों के अनुसार विद्यालय प्राधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यार्थियों के फोटो, वीडियो अथवा व्यक्तिगत जानकारी का ऐसा संग्रह, प्रकाशन अथवा प्रसार न हो जिससे उनकी निजता, गरिमा अथवा सुरक्षा प्रभावित हो। दिशा निर्देश में कहा गया है कि प्रधानाचार्य को किसी भी ऐसे आगंतुक को प्रवेश से मना करने का अधिकार दिया गया है जिसकी उपस्थिति से सुरक्षा, निजता, अनुशासन या शैक्षिक माहौल पर असर पड़ सकता हो। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति बिना अनुमति के अंदर आता है,स्कूल परिसर से जाने से मना करता है, बिना इजाज़त फ़ोटो या वीडियो लेने की कोशिश करता है या स्कूल के कामकाज में रुकावट डालता है तो प्रधानाचार्य तुरंत स्थानीय पुलिस और ज़िला शिक्षा अधिकारी को सूचित कर सकते हैं ताकि नियमों के तहत कार्रवाई की जा सके।

वहीं मंत्री दिलावर ने इस आदेश का बचाव करते हुए सोमवार को कहा कि यह अच्छी बात नहीं है कि कोई बिना अनुमति विद्यालयों में आए और बिना किसी वजह के छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार ले। उन्होंने कहा, कुछ लोगों से सुन रहा हूं कि सरकार ने विद्यालयों में किसी के आने जाने या रिकॉर्डिंग करने पर प्रतिबंध लगाया है। हमारा कोई प्रतिबंध नहीं है।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के मानद जनरल की उपाधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल धीरज सेठ को सोमवार को यहां राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने एक विशेष अलंकरण समारोह में नेपाली सेना के मानद जनरल की उपाधि प्रदान की। यह समारोह शीतल निवास में आयोजित किया गया।

जनरल सेठ नेपाली सेना के जनरल अशोक राज सिग्देल के निमंत्रण पर चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए रविवार को नेपाल पहुंचे थे। राष्ट्रपति पौडेल के सचिवालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह में नेपाल के उपराष्ट्रपति राम सहाय प्रसाद यादव, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव तथा नेपाली सेना और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मानद सैन्य पद प्रदान करने की यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी। इसके तहत भारत और नेपाल एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को मानद जनरल की उपाधि प्रदान करते हैं। जनरल सेठ ने सोमवार को नेपाली सेना के मुख्यालय में जनरल सिग्देल से भी मुलाकात की। दोनों सैन्य प्रमुखों ने आपसी हित के मुद्दों तथा द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय दूतावास ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ की नेपाल यात्रा दोनों देशों के बीच साझा मूल्यों, परस्पर विश्वास और लंबे समय से कायम सैन्य संबंधों पर आधारित विशिष्ट एवं समय की कसौटी पर खरी उतरी रक्षा साझेदारी की पुष्टि करती है। दूतावास के अनुसार, जनरल सेठ ने भारतीय दूतावास में राजदूत श्रीवास्तव से भी मुलाकात की। दोनों ने नई दिल्ली और काठमांडू के बीच व्यापक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

जनरल सेठ ने सोमवार को नेपाली सेना को कुछ सैन्य और चिकित्सा उपकरण भी सौंपे। नेपाली सेना की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने नेपाली सेना के मुख्यालय परिसर में पौधारोपण किया तथा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। नेपाली सेना ने कहा, जनरल सेठ की यात्रा से नेपाल और भारत की सेनाओं के बीच आपसी विश्वास तथा सहयोग और मजबूत होने की उम्मीद है।

वर्ष 2017 से पहले सपा के लोग हड़प लेते थे गरीबों का राशन कार्ड : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राज्य की पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से पहले सपा के नेता और कार्यकर्ता गरीब लोगों का राशन कार्ड हड़प लेते थे।

आदित्यनाथ ने लोकभवन में 'सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी' के तहत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता प्रतिक्रिया प्रणाली का उद्घाटन किया। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा, ''2017 के पहले सपाई गरीब का राशन कार्ड अपने घर में रख लेता था, जिससे वह भूख से मरता था परंतु अब ऐसी स्थिति नहीं है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के जरिए प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को लगातार निःशुल्क राशन मिल रहा है और निराश्रितों एवं दिव्यांगों का राशन घर तक पहुंचाने की व्यवस्था हो रही है।

आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उचित दर मूल्य के विक्रेता मेहनत करते थे लेकिन शासन राशन नहीं भेजता था और शासन की लूट का खामियाजा इन विक्रेताओं को भुगतना पड़ता था। उन्होंने कहा, ''लोग शक की निगाहों से देखते थे। कोटेदार शब्द से ही लोगों को चिढ़ सी होने लग गई थी। गलती आपकी नहीं थी।

पाप कोई करता था, भुक्तभोगी कोई और होता था। उस समय सत्तासीन लोगों की नीयत में खोट था। उनके भ्रष्ट आचरण की आंच से चाहकर भी आप स्वयं को बचा नहीं सकते थे, जिससे उस समय उत्तर प्रदेश की 20-22 करोड़ की आबादी शक की निगाहों से देखी जाती थी।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''नौजवान, व्यापारी, बेटियां समेत आमजन अन्य प्रदेश में जाते थे तो कोई सम्मान नहीं करता था। साल 2017 के पहले जो लोग उत्तर प्रदेश से दूरी बनाते थे, पिछले साढ़े नौ वर्ष के भीतर वही लोग अब उत्तर प्रदेश वालों को गले लगाते हैं।'' मुख्यमंत्री ने सपा का नाम लिए बिना निशाना साधा और कहा कि जो लोग कुछ कर नहीं पाए, वे आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि उचित दर विक्रेताओं के बारे में लोगों की धारणा ठीक हो, इसके लिए सरकार ने वर्ष 2017 में ई-पॉस मशीन लगाना शुरू किया।'' मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर उत्तर प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में हुई वृद्धि (90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल) की व्यवस्था की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि उचित दर विक्रेता दुनिया की सबसे बड़ी योजना (राशन वितरण) के जरिए शासन व जनता के बीच सेतु का काम करते हैं।

सोनिया, राहुल अराजकता फैला रहे हैं, चिदंबरम 'खांटी नक्सल' : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे सत्ता में वापसी के लिए खुलेआम ''राष्ट्र-विरोधी'' गतिविधियां कर रहे हैं और देश में ''अराजकता फैलाने'' की कोशिश कर रहे हैं।

शर्मा ने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम द्वारा खुद को ''दिमागी नक्सल'' कहने को लेकर उनपर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के वरिष्ठ नेता ''खांटी नक्सल'' हैं और इस बात की जांच होनी चाहिए कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में रहने के दौरान उन्होंने माओवादियों के खिलाफ क्या जानबूझकर कोई कदम नहीं उठाया था। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''सोनिया गांधी और राहुल गांधी देश का विरोध करने के मिशन पर हैं। फिर चाहे 'जेन-जी' के नाम

पर विरोध-प्रदर्शन भड़काना ही क्यों न हो, उन्होंने देश का माहौल खराब करने की ठान ली है।''

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पूरे 'वंदे मातरम' का गायन करने का विरोध करने वाले कांग्रेस नेताओं के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''सोनिया गांधी का व्यवहार दर्शाता है कि अगर कांग्रेस गलती से सत्ता में वापस आ जाती है, तो देश का क्या हाल होगा?''

भाजपा नेता ने कहा, ''वे खुलेआम देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं तथा लोगों को आंदोलन करने और धरने पर बैठने के लिए उकसा रहे हैं, और यह सब सिर्फ अराजकता फैलाने के लिए किया जा रहा है। मां-बेटा' द्वारा वंदे मातरम् को रोकने की कोशिश से यह साफ हो जाता है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो देश का भविष्य क्या होगा।'' स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण में ''दिमागी नक्सल'' शब्द का इस्तेमाल किये जाने के बाद, चिदंबरम द्वारा खुद को ऐसा कहे जाने पर शर्मा ने कहा कि उनके (चिदंबरम के) केंद्रीय गृह मंत्री रहने के दौरान छत्तीसगढ़ में एक हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी.सी. शुक्ला और अन्य लोग मारे गए थे, और फिर भी कांग्रेस ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने दावा किया, ''मुझे लगता है कि चिदंबरम सिर्फ 'दिमागी नक्सल' नहीं हैं, बल्कि वह 'खांटी नक्सल' हैं, जो देश में अराजकता चाहते हैं।'' शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में ही 'नक्सल-मुक्त' भारत संभव हो पाया है और हर तरफ शांति है, जिसमें असम में राष्ट्रीय पर्वों का सुचारू रूप से आयोजन भी शामिल है।

अभिषेक ने बैंक खाते पर रोक को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने एक निजी बैंक द्वारा उनके बैंक खाते पर कथित तौर पर रोक लगाए जाने को चुनौती देते हुए सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया। याचिका में बनर्जी ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए कहा है कि चिकित्सकीय कारणों से वह जल्द ही विदेश यात्रा करने वाले हैं और इसके लिए उन्हें उच्चतम न्यायालय से अनुमति मिल चुकी है। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई बुधवार को करेंगे। उन्होंने अभिषेक बनर्जी के वकील को तब तक संबंधित पक्षों को नोटिस देने का निर्देश दिया। बनर्जी के वकील अयान भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि निजी बैंक ने उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना उनके व्यक्तिगत बैंक खाते पर रोक लगा दी।

प्रशांत किशोर ने विधायक के तौर पर ली शपथ, कहा- 'बड़ी जिम्मेदारी' है

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार विधानसभा में अध्यक्ष प्रेम कुमार की मौजूदगी में बांकीपुर के विधायक के तौर पर शपथ ली। शपथ लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में किशोर ने कहा, ''उस सदन का सदस्य बनना मेरे लिए गर्व की बात है, जहां कृष्ण सिंह, कर्पूरी ठाकुर, अनुग्रह नारायण सिंह, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, केदार पांडेय, रामविलास पासवान और सुशील कुमार मोदी जैसे नेताओं ने काम किया।'' उन्होंने कहा कि समाज और राज्य के विकास के लिए अपने जीवन के बहुमूल्य वर्ष समर्पित करने वाले ''सैकड़ों विधायकों'' के दिखाए मार्ग पर काम करना उनके लिए ''बड़ी जिम्मेदारी'' भी है। किशोर ने तीन अगस्त को बिहार की प्रतिष्ठित बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में जीत दर्ज कर चुनावी राजनीति में ऐतिहासिक शुरुआत की थी। उन्होंने 1995 से इस सीट पर काबिज भाजपा को बड़ा झटका दिया था। किशोर को 64,151 वोट मिले थे और उन्होंने भाजपा के नीरज कुमार को 19,324 मतों के अंतर से हराया था। कुमार को 44,827 वोट मिले थे। यह उपचुनाव भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद बांकीपुर विधानसभा सीट खाली करने के कारण कराया गया था।

मुख्य विपक्षी दल ने स्वीकार किया कि वह दिमागी नक्सल 'कांग्रेस' है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के ''दिमागी नक्सल होने पर गर्व'' होने संबंधी बयान को लेकर उस पर प्रहार करते हुए कहा कि यह मुख्य विपक्षी दल की स्वीकारोक्ति है कि वह न केवल ''मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस'' है, बल्कि ''दिमागी नक्सल कांग्रेस'' भी है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब चिदंबरम ने खुद आगे आकर कहा है कि उन्हें 'दिमागी नक्सली' होने पर गर्व है, तो इसमें किसी 'किंतु-परंतु' या शक की कोई गुंजाइश नहीं रह जाती।''

त्रिवेदी ने कहा, ''उन्होंने खुद ही इस बात का खुलासा किया है वह सिर्फ 'मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस' नहीं, बल्कि 'दिमागी नक्सल कांग्रेस' भी हैं। उन्होंने इसे स्वीकार किया है।'' रविवार को चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा, ''मुझे 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है।'' चिदंबरम का यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की उस चेतावनी के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने देश को 'दिमागी नक्सलियों' के प्रति आगाह किया था। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि जहां सशस्त्र नक्सलवाद का खतरा अब समाप्ति की ओर है, वहीं ''दिमागी नक्सल'' सोच रखने वाले कुछ लोग ऐसे हैं, जो हिंसा और अशांति फैलाने के मौके तलाश रहे हैं तथा देश को गलत दिशा में ले जाना चाहते हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है और युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना चाहिए। त्रिवेदी ने चिदंबरम के बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, यह कितनी हैरानी की बात है। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद तुरंत प्रतिक्रिया आई, जिससे पता चल गया कि किसके मन में नक्सलवाद है। इससे पहले, भाजपा ने कांग्रेस को मुस्लिम लीग ''माओवादी कांग्रेस'' कहा था और उस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने तथा माओवादियों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया था।

राहुल का सोरेन को पत्र, छात्रों के मुद्दे का समाधान करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन के सिलसिले में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करें और उनके मुद्दे के समाधान के लिए उचित कदम उठाएं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि झारखंड में छात्रों का प्रदर्शन शांतिपूर्ण है और उनकी मांगें जायज हैं। उन्होंने यह पत्र 14 अगस्त को लिखा था, जिसे कांग्रेस ने सोमवार को जारी किया। कांग्रेस राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल है।

सोरेन को लिखे पत्र में गांधी ने कहा कि देश के युवा उसका भविष्य हैं और संकट की इस घड़ी में हमें उनके साथ एकजुटता और समर्थन जताना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी का मानना है कि संविधान में निहित शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमारे लोकतंत्र के केंद्रीय स्तंभों में से एक है। इसलिए, हमने पिछले कुछ महीनों में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को अपना पूरा समर्थन दिया है।

गांधी ने कहा कि कांग्रेस का यह भी मानना है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर आरएसएस और भाजपा का कब्जा हो गया है तथा इसे छात्रों के शोषण और दमन के औजार में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह अब वैसी मजबूत शिक्षा प्रणाली नहीं रह गई है, जैसी एक दशक पहले थी।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद में एसआईटी जांच जल्द पूरी करे, वस्तुस्थिति रिपोर्ट दाखिल करे : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) से कहा कि वह अपनी जांच तेजी से पूरी करे और उसे तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचाए। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने एसआईटी को निर्देश दिया कि वह कथित चढ़ावा चोरी मामले की जांच में हुई प्रगति पर अपनी वस्तुस्थिति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करे।

पीठ ने अदालत द्वारा नियुक्त एसआईटी से यह भी कहा कि वह जांच की गुणवत्ता और पारदर्शिता में सुधार के लिए न्यायालय के सामने अलग-अलग पक्षकारों द्वारा दिए गए किसी भी सुझाव पर निष्पक्ष रूप से विचार करे। इसने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट की पड़ताल के बाद, न्यायालय राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले दान के प्रबंधन में सुधार के लिए कुछ निर्देश जारी कर सकता है। शीर्ष अदालत ने 27 जुलाई को कथित चढ़ावा चोरी की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक किरण एस की अध्यक्षता में चार सदस्यीय एसआईटी के गठन का संज्ञान लिया था।इसने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि जांच टीम में एक फॉरेंसिक ऑडिटर भी शामिल किया जाना चाहिए।

यह उल्लेख करते हुए कि सुधारात्मक कदम उठाने होंगे'', पीठ ने कहा था कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने'' के लिए कदम उठाए जाएंगे। पीठ ने एसआईटी को दो हफ्ते में वस्तुस्थिति रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया था। इसने 20 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि वह मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की संभावना के बारे में जानकारी दे। पीठ ने 13 जुलाई को उत्तर प्रदेश पुलिस को इस मामले में वस्तुस्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

'बिहार के मंदिर में भगदड़ की घटना बेहद दुखद, घायलों की हर संभव सहायता कर रहा प्रशासन'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बिहार के लखीसराय में अशोक धाम मंदिर के पास भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन इस बेहद दुखद घटना में घायल हुए व्यक्तियों को हर संभव इलाज मुहैया करा रहा है। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि अशोक धाम में हुई घटना बेहद दुखद है। उन्होंने कहा, इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन घायलों का हर संभव इलाज सुनिश्चित कर रहा है। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अशोक धाम मंदिर के पास भगदड़ में सात महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। मंदिर से थोड़ी दूरी पर स्थित अशोक धाम हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण यह घटना हुई। सावन महीने में श्रद्धालु मंदिर में भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए वहां जुटे थे।

भविष्य में त्रुटिरहित परीक्षाओं के लिए आंतरिक प्रक्रियाओं, प्रोटोकॉल की समीक्षा की जा रही : एनटीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यूजीसी-नेट परीक्षा के तीन पेपरों में हुई गड़बड़ियों को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर निशाना साधे जाने के बीच एजेंसी के सूत्रों ने कहा कि भविष्य में सभी परीक्षाएं निष्पक्ष और त्रुटिरहित सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक प्रक्रियाओं एवं प्रोटोकॉल की समीक्षा की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी ने शिकायतों से जुड़े मामलों की सक्रियता से जांच की और दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया। यह कदम अभ्यर्थियों के हित में और एक अधिक जवाबदेह परीक्षा प्रणाली की नींव मज़बूत करने के लिए आवश्यक सुधारों के साथ उठाया गया है।

एनटीए ने रविवार रात यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा के तीन पेपरों - अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र - के लिए दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा की। यह फैसला प्रश्नपत्रों में कई गलतियों की शिकायतों के बाद लिया गया। अंग्रेज़ी और वाणिज्य विषय की पुनर्परीक्षा 9 सितंबर को होगी, जबकि समाजशास्त्र की परीक्षा इसके अगले दिन आयोजित की जाएगी। एनटीए ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर पात्रता और पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 87 विषयों में 22 से 30 जून तक यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा आयोजित की थी।

परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए एनटीए ने 50 से अधिक कर्मचारियों को हटाया : शिक्षा मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार के तहत अपने 50 से अधिक कर्मचारियों को हटा दिया है और प्रमुख पदों के लिए पेशेवरों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की है। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एनटीए ने रविवार को यूजीसी-नेट परीक्षा के तीन विषयों के प्रश्नपत्रों में कई त्रुटियां पाए जाने के बाद दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दिया। इससे पहले, प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बीच चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

शिक्षा मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, एनटीए के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्हें हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर एजेंसी द्वारा उठाए गए कदमों और समग्र परीक्षा व्यवस्था में सुधार की जानकारी दी गई।

मंत्रालय ने कहा, ''मंत्री को हालिया घटनाक्रम, विशेष रूप से समग्र व्यवस्था में सुधार के संबंध में एनटीए द्वारा उठाए गए कदमों से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि एनटीए से 50 से अधिक कर्मचारियों को हटा दिया गया है।'' मंत्रालय के अनुसार, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, मुख्य वित्त अधिकारी, मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), महाप्रबंधक (परीक्षा सुरक्षा) और महाप्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास तथा साइकोमेट्रिक्स) सहित 10 नये पेशेवर पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं और नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है।

शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि साइबर सुरक्षा, साइकोमेट्रिक्स, प्रश्नपत्र तैयार करने और अन्य विशेषज्ञ क्षेत्रों के लिए निजी क्षेत्र से भी विषय विशेषज्ञों को शामिल किया जा रहा है।

बंगाल में कथित हमले में कॉजपा कार्यकर्ता के पिता की मौत ममता ने पीड़ित परिवार को समर्थन का दिया भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के उस कार्यकर्ता से बात की, जिसके पिता की कथित तौर पर पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में उसके घर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। ममता ने शोक संतप्त परिवार को अपनी पार्टी की ओर से समर्थन का आश्वासन दिया।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उनके प्रति संवेदना व्यक्त की। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने कहा कि उसके कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज (25) ने सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे की कमियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत 13 अगस्त को करिसुंदा वेस्ट पारा प्राथमिक विद्यालय का

दौरा किया था। कॉजपा ने कहा कि उसी शाम हथियारबंद लोग हफीज के घर में घुस आए और उन्होंने उससे माफी मांगते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड करने को कहा। वीडियो में उसे यह कहना था कि उसने किसी और के कहने पर स्कूल की स्थिति को उजागर किया था। जब उसने इनकार किया तो हमलावरों ने कथित तौर पर उसे और उसके पिता जनाब माफिक पर डंडों और लोहे की छड़ से हमला किया। कथित हमले के दो दिन बाद शनिवार रात बर्दवान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में माफिक की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि भाजपा ने इस घटना से किसी भी तरह के संगठनात्मक संबंध से इनकार किया है। कथित हमले के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। टीएमसी सूत्रों ने बताया कि बनर्जी ने हफीज से फोन पर बात की, चिंता जताई और परिवार को आश्वासन दिया कि इस मुश्किल घड़ी में वह उनके साथ खड़ी हैं। टीएमसी के एक नेता ने कहा, ममता बनर्जी ने अब्दुल हफीज से बात की और उन्हें अपने समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने पिता की मौत के बाद परिवार के प्रति अपनी एकजुटता भी व्यक्त की।

सुविचार

दया और करुणा, मानवता की पहचान हैं। जरूरतमंदों की सहायता करें, सद्भाव फैलाएं, जीवन सार्थक बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ज़रदारी का 'प्रतिशत' प्रेम

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ़ अली ज़रदारी द्वारा अपने देश की हिंदू आबादी के बारे में दिया गया बयान शर्मनाक और निंदनीय है। राष्ट्रपति पद की एक प्रतिष्ठा होती है, जिसे ज़रदारी ने यह कहकर धूमिल कर दिया कि वे अल्पसंख्यक हिंदू आबादी को बर्दाश्त कर रहे हैं। आज पाकिस्तान में हिंदू कुल आबादी का लगभग 2 प्रतिशत हैं। पाकिस्तानी राष्ट्रपति को इन्हें बर्दाश्त करना पड़ रहा है। इस पड़ोसी देश में कट्टरता, मूर्खता और आतंकवाद में भयंकर बढ़ोतरी हुई है। अल्पसंख्यक अपनी जान बचाने के लिए अन्य देशों में शरण मांगने को मजबूर हैं। ज़रदारी इतने 'तेजस्वी' मनुष्य हैं कि उन्हें अपने मुल्क के हालात दिखाई नहीं देते हैं। इनके कारनामों की सूची बहुत लंबी हैं। किसी संख्या का प्रतिशत निकालना इन्हें कुछ ज्यादा ही पसंद है। ये राष्ट्रपति बनने से पहले 'मिस्टर टेन परसेंट' के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। जब इनकी पत्नी बेनज़ीर भुट्टो प्रधानमंत्री थीं तो ये सरकारी ठेकों और परियोजनाओं की फाइलें खुद देखते थे। इनका हिसाब बहुत सीधा था। जो व्यक्ति 10 प्रतिशत कमीशन देता, ठेका उसी को मिलता था। इन्होंने यही फॉर्मूला लगाकर बैंक लोन दिलाने में भी खूब दौलत बटोरी थी। बेनज़ीर की हत्या होने के बाद, इनकी रंगीन-मिजाजी के किस्से अमेरिका तक मशहूर हुए थे। ये बतौर राष्ट्रपति अमेरिका गए थे, जहां एक महिला नेता के बारे में की गई इनकी टिप्पणी ने पाकिस्तान की खूब किरकिरी कराई थी। कहा तो यह जाता है कि ज़रदारी ने उस महिला के लिए ओछी शेरो-शायरी की थी, जिसका पता चलने पर पाकिस्तानी महिलाओं ने इनके विरोध में खूब जुलूस निकाले थे। ऐसा व्यक्ति किसी देश का राष्ट्रपति कैसे बन सकता है?

ज़रदारी का एक कारनामा तो ऐसा है, जिसके आगे हॉलीवुड फिल्में भी फेल हैं। ये जनाब नब्बे के दशक में कई कारोबारियों से हर महीने मोटी रकम वसूलते थे। मुर्तज़ा बुखारी नामक एक कारोबारी रुपए देने में आनाकानी कर रहा था। उसे ज़रदारी ने धमकाया, ब्लैकमेल किया था। वह फिर भी नहीं माना। आखिर में मुर्तज़ा बुखारी के पैर पर बम बांध दिया और उसे बैंक से रुपए निकाल कर लाने के लिए कहा। साथ ही, धमकी दी कि रुपए नहीं लाने की सूरत में रिमोट का बटन दबाकर धमाका कर दूंगा। उस मामले में ज़रदारी को जेल जाना पड़ा था। ऐसा कोई एक मामला नहीं है। ज़रदारी ने पूरे पाकिस्तान में सैकड़ों लोगों को इसी तरह डरा-धमका कर अपनी तिजोरियां भरी थीं। अब ये दोबारा राष्ट्रपति के पद को 'सुशोभित' कर रहे हैं। असल में, पाकिस्तान के लोग इन्हें बर्दाश्त कर रहे हैं। यूं तो इन्हें पढ़ने-लिखने का शौक कभी नहीं रहा, लेकिन 'भारतीय नज़रिया और अखंड भारत' के बारे में इनकी टिप्पणी सुनकर कई पाकिस्तानियों को इनके विद्वान होने का भ्रम हो सकता है। इनकी यह टिप्पणी समझ से परे है कि 'पाकिस्तान में 4 प्रतिशत हिंदू आबादी है। वे यहां उतने ही आज़ाद हैं, जितने कहीं और। वे भारत के बजाय हमारे साथ रहना ज़्यादा पसंद करेंगे।' ऐसा प्रतीत होता है कि ज़रदारी ने पिछले 40 वर्षों से कोई अख़बार नहीं पढ़ा। अगर पढ़ा होता तो बेसिर-पैर की बातें न करते। पाकिस्तानी हिंदू तो लगातार अपने मकान, दुकान, खेत और खलिहान छोड़कर भारत आ रहे हैं। उन्हें कई कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है। नागरिकता मिलने में भी काफी समय लगता है। अगर इतने नियम न होते तो आज कोई हिंदू पाकिस्तान में नहीं रहता। वहां का बहुसंख्यक वर्ग भी किसी-न-किसी तरह पाकिस्तान से निकल भागना चाहता है। जहां ज़रदारी जैसे राष्ट्रपति होंगे, वहां ऐसे ही करिश्मे होंगे।

ट्वीटर टॉक

दशकों के झूठे वादों और अनदेखी को पीछे छोड़ते हुए, हमारी सरकार ने ज़मीनी स्तर पर विकास करके दिखाया है। कांग्रेस के समय में जो सिर्फ़ घोषणाओं तक सीमित था, वह आज जनकल्याण और सुशासन के रूप में हर नागरिक तक पहुँच रहा है।

-भजनलाल शर्मा

कोटा संसदीय क्षेत्र के सांगोद में अलग-अलग विकास कामों के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में शामिल हुआ। मुझे खुशी है कि पिछले ढाई साल में सांगोद विधानसभा क्षेत्र में 1 हज़ार करोड़ रुपये से ज़्यादा के विकास काम शुरू किए गए हैं।

-ओम बिरला

मशहूर कवि और गीतकार दुर्गादान सिंह गौड़ के निधन की खबर बहुत दुख देने वाली है। उनके जाने से राज्य की साहित्यिक और सांस्कृतिक दुनिया को गहरा झटका लगा है। दुर्गादान सिंह गौड़ ने अपनी रचनाओं से राजस्थानी साहित्य को समृद्ध किया।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

दर्द के अहसास

युद्धभूमि में भीष्म पितामह भगवान श्रीकृष्ण से कहते हैं'माधव! मैंने प्रतिज्ञा ली, विवाह नहीं किया, राज्य नहीं लिया और पूरी जिंदगी हस्तिनापुर के लिए समर्पित कर दी। आज बाणों की शय्या पर पड़ा हूं। मेरा क्या कसूर था?' भीष्म की आंखें भर आईं। श्रीकृष्ण कुछ क्षण मौन रहे, फिर बोले 'पितामह! मेरा जन्म भी कारागार में हुआ। माता-पिता से अलग कर दिया गया। सगा मामा ही मेरे प्राणों का शत्रु बन गया। राधा मिलीं, फिर बिछड़ गईं। मथुरा बसाई, फिर उसे भी छोड़ना पड़ा। अन्याय मेरे साथ भी हुआ।' भीष्म ने पूछा'फिर भी आप मुस्कुराते रहे?' श्रीकृष्ण बोले 'नहीं पितामह, मैं भी रोया, लेकिन अकेले में। क्योंकि मैं जानता थाजो अपना दर्द दुनिया को दिखाता है, दुनिया उसकी कमजोरी देखती है; और जो अपना दर्द भगवान को सौंप देता है, भगवान उसकी शक्ति बन जाते हैं।' भीष्म की आंखें बंद हो गईं। उनके होंठों पर मुस्कान आ गई। वे बोले'माधव! आज समझ आयादर्द सबको होता है। अंतर केवल इतना है कि कोई अपना दर्द दुनिया को दिखाता है और कोई उसे भगवान को सौंप देता है।'

सामयिक

'दिमागी नक्सली' शब्द पर हंगामा

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए संबोधन में देश के वर्तमान, भविष्य, विकसित भारत के लक्ष्य, विश्व व्यवस्था आदि पर इतने पहलू थे जिन पर लंबे समय तक चर्चा हो सकती है। किंतु उनकी कुछ बातों पर जैसी तीखी प्रतिक्रिया और उबाल दिख रही है उस पर गौर करना आवश्यक है। सबसे ज्यादा प्रतिवाद उनके द्वारा दिमागी नक्सली शब्द के प्रयोग पर हो रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने यहां तक कह दिया कि, 'मुझे दिमागी नक्सल होने पर गर्व है।' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री पहले अपने विरोधियों को अर्बन नक्सल कहते थे और अब दिमागी नक्सल कह रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मुद्दों को लेकर सरकार के विरोधियों को पहले अर्बन नक्सल या अब दिमागी नक्सल कहा जाता है, उनमें से कुछ मांगों या विचारों को सरकार बाद में स्वीकार करती रही है। सोशल मीडिया पर जाएंगे तो भारी संख्या में लोग स्वयं को दिमागी नक्सली और न जाने क्या-क्या कह रहे हैं। यह स्थिति चिंता पैदा करने वाली है किंतु आश्चर्यजनक नहीं।

पहले यह देखें कि आखिर प्रधानमंत्री ने कहा क्या? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ''हमने नक्सलवाद खत्म करने का संकल्प लिया था। नक्सलवाद, माओवाद ने लाखों युवाओं के भविष्य को तबाह कर दिया। नक्सलवाद ने चार-पांच दशक तक हिंदुस्तान के बहुत बड़े हिस्से को, बहुत बड़ी आबादी को बंदूक की नोक पर दबोच रखा था। संविधान की धज्जियां उड़ा दी थीं। देश के समान्य नागरिकों की रक्षा में 3500 से ज्यादा सुरक्षा बल के जवान शहीद हुए। उन्होंने कहा कि उनको खुशी है कि नक्सलवादी-माओवादी हिंसा को आखिरी सांस लेने की ताकत भी नहीं बची। जहां पर कभी नक्सलियों की गोलियां चलती थी, जहां कभी धरती रक्तरंजित रहा करती थी, आज उन्हीं नक्सल क्षेत्रों में विकास, विश्वास और प्रयास का तिरंगा लहरा है। इसके आगे उन्होंने कहा कि हमें सावधान रहने की जरूरत है। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। समाज को गलत राह पर ले जाने के लिए तरह-तरह के काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ऐसे लोग हिंसा अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। इन दिमागी नक्सलियों को पहचानना होगा। इन्हें युवाओं को भटकाने से बचाना होगा और इन्हें आइसोलेट करना होगा और विकसित राष्ट्र बनाने की ओर देश की युवा पीढ़ी को जोड़ना होगा।' यह ऐसी बात है जिनका परिप्रेक्ष्य व्यापक है तथा महान भारत के सपने के बड़े लक्ष्य से जुड़ा है। हथियारबंद नक्सलवाद देश से समाप्त हो गया यह ऐसी उपलब्धि है जिसकी कल्पना शायद ही किसी ने की हो। प्रधानमंत्री ने नक्सलियों के कब्जे वाले क्षेत्र उमेश शांति सुकून और विकास की स्थिति का जो विवरण दिया उसे कोई नकार नहीं सकता।

किंतु यह भी सच है कि अब एक दूसरे किस्म की झूठ के द्वारा कृत्रिम असंतोष और हिंसक अराजकता पैदा करने की कोशिश लगातार चल रही है। उदाहरण के लिए हाल के कुछ आंदोलन को देखिए। सरकार ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक रूप से उत्पीड़ित गैर मुसलमानों के लिए नागरिकता कानून में संशोधन किया तो उसके विरुद्ध दिल्ली के शाहीनबाग में धरना शुरू हुआ। देखते-देखते देश और दुनिया में इसका दुष्प्रचार हुआ। धरनास्थल सड़क पर स्थायी निर्माण कर दिए गए। अगर कोरोना संकट नहीं आता तो इनको हटाना मुश्किल था। इसके कारण हिंसा हुई और अंततः दिल्ली में दंगे तक हो गए। मुसलमानों और दूसरे तत्वों को भड़काया गया कि आपकी नागरिकता चली जाएगी। आज तक किसी की नागरिकता नहीं गई। साफ है कि इसके पीछे देश में हिंसक अराजकता ही पैदा करने की कोशिश थी। कृषि कानून विरोधी आंदोलन को देख लीजिए। उसे आंदोलन में वास्तविक किसान भी थे। लेकिन अराजक तत्व हावी रहे। दिल्ली को चारों ओर से घेरा गया। 26 जनवरी के दिन दिल्ली की सड़कों पर ट्रैक्टर ऐसे दौड़ रहे थे मानो हथियारबंद गाड़ियां हो। भारी संख्या में लोग लाल किले पर चढ़कर पुलिस वालों को धक्के देकर नीचे गिराया। काफी संख्या में हमारे जवान घायल भी हुए। अगर उस दिन पुलिस कठोर कार्रवाई करती तो कैसा दृश्य होता है इसकी कल्पना करिए। एक किसान नेता ने बाद में कहा कि थोड़ी गलती हो गई, संसद तक पहुंच जाते तो बांग्लादेश उसी दिन दोहरा देते।

आप इस प्रकार के विचार और व्यवहार को क्या कहेंगे? अभी हाल में कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर से दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन हुआ। नीट या किसी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के विरुद्ध आवाज उठाने, संघर्ष करने आगे ऐसा न हो इसके लिए सरकार पर दबाव बढ़ाने में समस्या नहीं है। किंतु वहां नारे क्या लग रहे थे? कोई आजादी के नारे लगा रहा था, कोई 370 हटाने का, कोई शरजिल इमाम के चिकन नेक को काटने का समर्थन कर रहा था तो कोई मेरा लिंग मेरा अधिकार तो कोई समलैंगिकता को लेकर झंडा उठाए हुए था। जिस तरह प्रधानमंत्री के लिए शब्दों का प्रयोग हुआ और जैसे पोस्टर दिखाए गए उनसे शर्म से सर झुक जाए। ऐसी बातें बोली गईं कि वाकई एक वर्ग में गुस्सा पैदा हुआ। उस आंदोलन में ऐसे तत्व शामिल थे जो चेहरा ढंककर पत्थरबाजी कर रहे थे, पुलिस की गाड़ियां तोड़ रहे थे, पुलिस से मुठभेड़ कर रहे थे और अंततः संसद मार्च के नाम पर संसद की दीवार तक पहुंच गए। पुलिस ने उनके विरुद्ध जो कुछ किया उस पर खूब चर्चा हो रही है, मुद्दा बनाया जा रहा है लेकिन दूसरी ओर इस तरह की हिंसक अराजकता पर विरोधी एक शब्द बोलने को तैयार नहीं।

> **अर्बन नक्सल शब्द का प्रयोग पहली बार कि चिदंबरम नहीं किया था।हिंसा से तो किसी शासन को समस्या थी किंतु मार्क्सवाद -लेनिनवाद- माओवाद को वैज्ञानिक विचारधारा कहा जाता था और यह धर्म, परंपरा आदि को अंधविश्वास कह कर नकारता था इसलिए अंतर्मन में इसके समर्थन का भी भाव था।**

मार्क्सवाद, लेनिनवाद, स्टालिनवाद, माओवाद इन सबकी विचारधारा का मुख्य केंद्र धर्म का नकार रहा है। हालांकि मार्क्स ने रिलिजन शब्द का प्रयोग किया। भारतीय संदर्भ में धर्म और रिलिजन का अंतर है लेकिन इस विचारधारा के लोग दोनों को समान मानते हैं। पिछले लंबे समय से हिंदू धर्म या सनातन धर्म के विरुद्ध कितने बयान दिए गए और हिंदुत्व पर काम करने वाले लोगों को फासिस्ट, सांप्रदायिक और न जाने क्या-क्या कहा गया। लोगों के अंदर चाहे राम मंदिर निर्माण हो या इस तरह के कोई अन्य कार्य पूरा प्रचार हुआ कि देश को इसकी आवश्यकता नहीं है। कोई प्रश्न उठाता कि क्या इससे रोजगार मिलेगा ?क्या इससे स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार हो जाएगा? यह सब छद्म रूप में माओवाद और नक्सलवाद ही है। आखिर मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे कांग्रेस के अध्यक्ष अगर सनातन का विरोध करते हैं और उनके पुत्र इसके लिए झंडा उठाते हैं तो इसका क्या अर्थ निकाला जाए? विडंबना देखिए कि आजकल ये सब कहते हैं कि हम भी हिंदू हैं और हिंदू धर्म पर हमारा भी विश्वास है और उस रूप में बातें की जाती है। राहुल गांधी जी ने तो फैजाबाद लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद कह दिया कि हमने अयोध्या आंदोलन को ही हरा दिया। सनातन को डेंगू, मलेरिया, विषाणु कहने वाले के विरुद्ध एक शब्द नहीं। कुछ कर्मचारियों द्वारा श्रीराम मंदिर चढ़ावे की चोरी जैसे निकृष्ट अपराध और पाप को ऐसे प्रस्तुत किया गया जैसे श्रीराम मंदिर के लिए काम करने वाली पार्टियों और संगठनों ने लूट मचाया है। ये सब विचार लोगों में केवल गुस्सा और अतिवादी भाव ही पैदा नहीं करते हैं, मंदिर और धर्म में आस्था पर भी चोट पहुंचाते हैं वैसे भी देश में माओवाद या नक्सलवाद विचारधारा को महिमामंडित करने वाली पुस्तकें, पत्रिकाएं, प्रचार भारत में लंबे समय से रही तथा ऐसे लोग थे जिन्होंने हथियार उठाकर संघर्ष करने की प्रेरणा ही नहीं दी उसके लिए लगातार संसाधन दिए। माओवाद को विश्वविद्यालयों से लेकर कला, संस्कृति के क्षेत्र में महान रोमांसवादी विचारधारा के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसमें आम लोगों के शोषण और दमन से मुक्ति के साथ एक अलग किस्म की राज्य व्यवस्था का सपना था। हालांकि धीरे-धीरे संदर्भ, कल्पना, चरित्र और संपूर्ण आचरण में बदलाव आने लगा। आश्चर्य की बात है कि अपने कार्यकाल में नक्सलवादियों द्वारा सुरक्षा बलों की बारूदी सुरंग से हत्या या फिर स्वयं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के अधिकतम वरिष्ठ नेताओं को एक ही दिन में समाप्त करने जैसी घटनाओं के बाद जिस नक्सलवाद को चिदम्बरम ने आतंकवाद की संज्ञा देकर उसे समूल नाश करने का संकल्प लिया वे ऐसी बातें बोल रहे हैं। अर्बन नक्सल शब्द का प्रयोग पहली बार कि चिदंबरम नहीं किया था।हिंसा से तो किसी शासन को समस्या थी किंतु मार्क्सवाद -लेनिनवाद- माओवाद को वैज्ञानिक विचारधारा कहा जाता था और यह धर्म, परंपरा आदि को अंधविश्वास कह कर नकारता था इसलिए अंतर्मन में इसके समर्थन का भी भाव था। विरोधी प्रधानमंत्री को कुछ भी कहें लेकिन उनकी चेतावनी सच है कि मानसिक नक्सलियों से भारत को हर दृष्टि से सुरक्षित बनाने के लिए सतर्क और सचेत रहना होगा। हमें विश्व शक्ति बनना है तो इन तत्वों को समाज की मुख्यधारा से बाहर करना ही होगा। यह संघर्ष ज्यादा कठिन है।

नजरिया

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने अखंड भारत' की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद-ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है।

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं

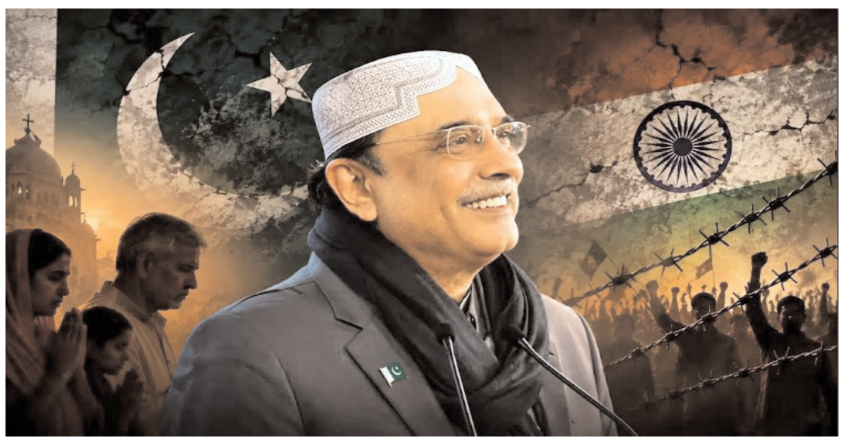

की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह-धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं, एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है।

भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक-सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया।

22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। भारत ने आतंकवाद के साथ-साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर 'नार्को-टेरर' को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन-सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। वर्ष 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है-भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा। इस बदले हुए भारत की तस्वीर पाकिस्तान की बेचैनी को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन, डिजिटल बुनियादी ढांचा, वैश्विक कूटनीति और रणनीतिक प्रभाव लगातार बढ़े हैं। आज भारत को विश्व राजनीति में केवल दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तान की समस्या केवल यह नहीं है कि भारत उससे आर्थिक और सामरिक रूप से आगे निकल रहा है, उसकी बड़ी समस्या यह है कि भारत अपनी बहुलतावादी लोकतांत्रिक पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

जरदारी का बयान इसलिए भी विचारणीय है कि पाकिस्तान को भारत के भीतर की विविधता पर टिप्पणी करने से पहले अपने घर के भीतर झांकना चाहिए। भारत में मुसलमानों की आबादी बढ़ती आबादी का तथ्य स्वयं बताता है कि भारत में मुस्लिम समुदाय का अस्तित्व, विस्तार और सामाजिक जीवन किसी समाप्ति' की कहानी नहीं है। दूसरी ओर पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर आज भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं गंभीर चिंता व्यक्त कर रही हैं। इसलिए दुनिया के उन देशों को भी पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो केवल रणनीतिक या राजनीतिक हितों के कारण उसकी हर बात का समर्थन करते हैं। किसी राष्ट्र का मूल्यांकन उसके भाषणों से नहीं, उसके व्यवहार से होना चाहिए। यदि कोई देश एक तरफ आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबद्धता जताए और दूसरी तरफ उसकी धरती से सक्रिय आतंकी नेटवर्क लगातार पड़ोसी को निशाना बनाते रहें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल कूटनीतिक शब्दों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए।

भारत की शक्ति का अर्थ किसी धर्म या देश के प्रति घृणा नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई है। भारत के मुसलमान भी उतने ही भारतीय हैं जितने हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और अन्य समुदाय। आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न भारत नहीं, बल्कि स्वयं पाकिस्तान है-वह कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाना अंततः उसी समाज को अस्थिर करता है जिसने उसे जन्म दिया? पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों की हिंसा का दंश स्वयं वहां के नागरिक भी झेल रहे हैं। ह्यूमन राइटस वाच के अनुसार 2025 में पाकिस्तान में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए। जरदारी को भारत के अखंड भारत' की चिंता करने से पहले अपने वर्तमान पाकिस्तान की अखंडता, शांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। इतिहास का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जो राष्ट्र भारत की एकता पर प्रश्न उठाता है, वह स्वयं आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और सामाजिक विभाजन से जूझता रहा है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वतंत्रता दिवस पर दपरे के बेंगलूरु मंडल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने एमजी रेलवे कॉलोनी के रेलवे ग्राउंड में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल, छात्रों, स्काउट्स एंड गाइड्स की परेड का निरीक्षण किया। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आशुतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, संचालन, यात्री सेवाओं, डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्रों में मंडल की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 161 किमी लंबे यलहंका-धर्मावरम रूट पर सेक्शनल स्पीड को बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। नौ लेवल क्रॉसिंग हटाए गए हैं, 13 रोड अंडर ब्रिज शुरू किए गए हैं और लगभग 174 किमी की सुरक्षा फेंसिंग का काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मंडल में 18 स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा बेंगलूरु कैंटोनमेंट स्टेशन को 485 करोड़ रुपए की लागत से फिर से विकसित किया जा रहा है। यशवंतपुर स्टेशन को 378 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है।

बाद में, 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। दपरे महिला कल्याण संगठन ने रेलवे अस्पताल में मरीज़ों को फल, ब्रेड और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ बांटे। कार्यक्रम में अतिरिक्त मंडल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कतारकी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्रेयांस चिंचवाड़े, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की बेंगलूरु मंडल अध्यक्ष रीना सिंह, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिजन और अनेक लोग मौजूद थे।

बैडमिंटन अब शतरंज के खेल की तरह बन गया है : कर्स्टी गिल्मोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मौजूदा यूरोपीय महिला एकल चैंपियन कर्स्टी गिल्मोर ने आधुनिक खेल शैली की तुलना शतरंज से करते हुए कहा है कि बैडमिंटन अब शारीरिक खेल के साथ-साथ मानसिक खेल भी बन गया है। गिल्मोर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बैडमिंटन में काफी बदलाव आया है और अब इसमें मानसिक मजबूती की भूमिका शारीरिक दृढ़ता जितनी ही महत्वपूर्ण हो गई है।

विश्व रैंकिंग में 35वें स्थान पर काबिज स्कॉटलैंड की गिल्मोर ने कहा, एक तरफ खिलाड़ियों के बीच मुकाबला चल रहा होता है और दूसरी तरफ शतरंज का खेल भी। मैं अपने खेल के शारीरिक पक्ष के साथ मानसिक पक्ष पर भी काफी काम कर रही हूं जो अब बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। गिल्मोर सोमवार से यहां शुरू हुई विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त चीन की हान यूइ के खिलाफ 22-20, 13-21, 13-21 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

इसी स्थल पर इस साल की शुरुआत में आयोजित इंडिया ओपन की तुलना में मौजूदा विश्व चैंपियनशिप के बेहतर इंतजामों की सराहना करते हुए 32 वर्षीय गिल्मोर ने महिला शौचालयों में सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध होने पर खुशी जताई। 2013 में पदार्पण करने के बाद वह 10वीं बार विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहीं थी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी बात है। हम इसके लिए जितना संभव हो उतनी योजना बनाते हैं लेकिन कभी-कभी हमारे शरीर की अपनी अलग योजनाएं होती हैं। हार्मोन भी अलग तरह से काम करते हैं इसलिए अगर हमारे लिए शौचालय संबंधी सुविधाएं हैं तो सैनिटरी उत्पाद भी होने चाहिए।''

गिल्मोर ने कहा, ''मुझे स्कॉटलैंड से होने पर बहुत गर्व है क्योंकि सार्वजनिक स्थानों पर सैनिटरी उत्पाद उपलब्ध कराना अनिवार्य करने वाला वह दुनिया का पहला देश है। मैं यहां और अन्य देशों में भी इसे अपनाए जाते देखना चाहूंगी।''

गिल्मोर मौजूदा टूर्नामेंट के लिए किए गए बेहतर इंतजामों से काफी खुश हैं। इंडिया ओपन के दौरान कोर्ट पर कबूतरों की बीट और दर्शक दीर्घा में बंदर देखे जाने की तस्वीरों ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

इसके अलावा दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता और आयोजन स्थल के अंदर बेहद ठंडे माहौल ने भी खिलाड़ियों की परेशानी बढ़ाई थी। खिलाड़ियों और खेल से जुड़े लोगों की आलोचना के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में नवीनीकरण का काम कराया। गिल्मोर ने कहा कि मौजूदा प्रतियोगिता में कोर्ट पर ड्रिफ्ट की समस्या है लेकिन यह सभी खिलाड़ियों के लिए समान है। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो यह काफी चुनौतीपूर्ण है। अभ्यास के दौरान आगे और पीछे की ओर ड्रिफ्ट इतना अधिक नहीं था और परिस्थितियां काफी अच्छी थीं लेकिन बगल से होने वाले ड्रिफ्ट के कारण मैंने कई अंक गंवाए।''

हमास के साथ दो घंटे की बैठक के बाद गाजा पर वार्ता के लिए नेतन्याहू के साथ बैठे कुशनर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। पश्चिम एशिया मामलों के वार्ताकार और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर सोमवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक कर रहे हैं। नेतन्याहू ने गाजा में युद्धविराम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका समर्थित 15-सूत्री समझौते को खारिज कर दिया था।

बैठकों के हालिया दौर में, अमेरिका समझौते की रूपरेखा के लिए इजराइल की मंजूरी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसमें बहुत कुछ दांव पर लगा है, जिसमें गाज़ा में लगभग 20 लाख फलस्तीनियों की जिंदगी, तबाह हुए इलाके का पुनर्निर्माण और उस इलाके पर भविष्य का नियंत्रण शामिल है। प्रस्तावित समझौते के तहत इजराइल को गाजा से हटना है। हालांकि इजराइल का कहना है कि इजराइली सेना की वापसी से पहले हमास को पूरी तरह से हथियार त्यागने होंगे।

इजराइली सेना ने इस गाजा पट्टी के लगभग 60 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर रखा है और नेतन्याहू ने पहले भी आगे बढ़ने की धमकी दे रखी है। सूत्रों के अनुसार, नेतन्याहू के साथ हुई बैठक में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और 'शांति बोर्ड' के निदेशक निकोलेय म्लादेनोव भी शामिल थे।

यह बैठक बंद कमरे में हुई। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब कुशनर ने रविवार को मिस्र में हमास प्रमुख खलील अल-हय्या के साथ, हथियार त्यागने के मुद्दे पर दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। मध्यस्थता करने वाले देशों -मिस्र, कतर और तुर्की- के अधिकारी भी वहां मौजूद थे। हमास के अधिकारी ने यह भी कहा कि हमास नेता ने मांग की है कि अमल शुरू करने से पहले इजराइल गाजा पर हमले रोके और उस इलाके को बांटने वाली तथाकथित 'येलो लाइन'' तक पीछे हट जाए।

'येलो लाइन' को कभी भी ठीक-ठीक परिभाषित नहीं किया गया था। इजराइली सेनाएं इसे पार कर चुकी हैं और अब गाजा के लगभग 60 प्रतिशत हिस्से पर उनका नियंत्रण है। नेतन्याहू ने मई में कहा था कि अगला कदम 70 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण हासिल करना है, जिसके तहत इजराइल हर तरफ से हमास पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

रोनाल्डो ने कहा, यह संभवतः मेरे फुटबॉल करियर का अंतिम साल है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

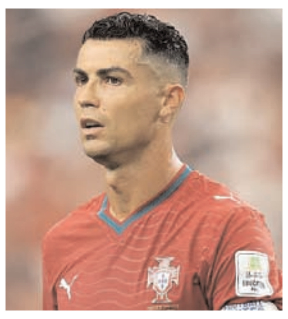

रियाद/एपी। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि सऊदी प्रो लीग का यह सत्र संभवतः उनके पेशेवर करियर का आखिरी सत्र होगा। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी का सऊदी अरब के क्लब अल नासर के साथ अनुबंध अगले साल जून में समाप्त हो रहा है और उन्होंने वोग पत्रिका को बताया है कि एक और अनुबंध की संभावना नहीं है। रोनाल्डो ने कहा, शायद यह फुटबॉल में मेरा आखिरी साल है। मैं एक शानदार विरासत छोड़ना चाहता हूं। अपने करियर में अब तक 976 गोल करने वाले रोनाल्डो ने इसी महीने की शुरुआत में अपनी लंबे समय की साथी जॉर्जीना रोड्रिगेज से शादी की।उन्होंने कहा, ''मैंने अपने भविष्य की पूरी योजना बना ली है। मेरे पास खुद को व्यस्त रखने के लिए इतनी सारी चीजें हैं कि सिर्फ एक चीज बताना मुश्किल है। फुटबॉल छोड़ने से बड़ा खालीपन आ सकता है, इसलिए आपको उसकी भरपाई एक तरीके से नहीं बल्कि कई तरीकों से करनी होगी।''

विरोध

हैदराबाद में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का विरोध करने का आरोप लगाते हुए उसका पुतला फूंका।

भैंस के पेट से शल्यक्रिया के जरिए धातु के तार निकाले गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऊना/भाषा। हिमाचल के ऊना जिले में पशु चिकित्सकों के एक दल ने भैंस के पेट में फंसे धातु के तार के 18 टुकड़ों को शल्यक्रिया के जरिए सफलतापूर्वक निकाल दिया।गोंदपुर जयचंद निवासी राम अग्निहोत्री की भैंस पिछले दस दिनों से चारा नहीं खा रही थी। पशु चिकित्सालय ले जाने पर कुछ प्रारंभिक जांच के बाद भैंस का अल्ट्रासाउंड किया गया। पशु चिकित्सकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इससे भैंस के पेट में बाहरी वस्तु मौजूद होने की पुष्टि हुई। पशु की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल शल्यक्रिया करने का फैसला किया। शल्यक्रिया से भैंस के पेट से तार के 18 टुकड़े निकाले गए।

पशुपालन विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि शल्यक्रिया के बाद भैंस का जरूरी उपचार और देखभाल की गई और उसकी हालत में सुधार हुआ। शल्यक्रिया ललड़ी पशु चिकित्सालय में डॉ. निशांत रानौत, डॉ. नवनीत शर्मा और डॉ. शिल्पा रानौत की टीम ने की। पशु चिकित्सा फार्मासिस्ट सौरव के साथ रीमा, सुनंदा, दीपक, सक्षम और विकास ने भी शल्यक्रिया के दौरान महत्वपूर्ण सहयोग किया। पशु चिकित्सकों के अनुसार, चारे के साथ गलती से निगल लिए गए कील, तार, लोहे के टुकड़े और अन्य धातु की वस्तुएं पशुओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या पैदा कर सकती हैं। ऐसे मामलों में समय पर बीमारी का पता लगाना और उचित उपचार बेहद जरूरी है। इस मामले में अल्ट्रासाउंड के जरिए समस्या का पता चलने के बाद शल्यक्रिया की गई, जिससे पशु की हालत में सुधार हुआ। पशु चिकित्सकों ने पशुपालकों से चारा खिलाने से पहले उसमें मौजूद तार, कील और अन्य धातु की वस्तुओं को अच्छी तरह हटाने की अपील की है।

उन्होंने सलाह दी कि यदि कोई पशु खाना बंद कर दे या उसके स्वास्थ्य में असामान्य बदलाव दिखाई दे तो पशुपालक तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

अभिनेत्री अनन्या राज का 35 वर्ष की आयु में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ''द फाइनल एग्जिट'', ''7 आवर्स टू गो'', और ''घोस्ट'' जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए चर्चित अभिनेत्री अनन्या राज का पिछले महीने निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी है।

अनन्या के निधन के एक महीने से अधिक समय बाद परिवार द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक बयान में कहा गया है, 35-वर्षीय अभिनेत्री का निधन 15 जुलाई को तड़के हो गया। बयान में कहा गया, ''अत्यंत दु:ख के साथ हमें यह सूचित करना पड़ रहा है कि 15 जुलाई की तड़के अनन्या का निधन हो गया। नींद में ही उन्होंने अंतिम सांस ली।''

परिवार ने कहा, ''वह एक साल से अधिक समय से शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता से जूझ रही थीं। उन्होंने एक योद्धा की तरह इसका सामना किया। वह एक मजबूत इरादों वाली लड़की थीं और एक रानी की तरह जीती थीं।'' परिवार ने कहा कि वे इस कठिन घड़ी में अपनी निजता का सम्मान किए जाने की उम्मीद करते हैं। अनन्या राज ने 2016 में फिल्म ''7 आवर्स टू गो'' से बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 2017 में ''द फाइनल एग्जिट'' और 2019 में ''घोस्ट'' फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने टी-सीरीज, जी म्यूजिक और टाइम्स म्यूजिक जैसी प्रमुख कंपनियों के लिए कई संगीत वीडियो में भी काम किया था।

शबनम सिन्हा होंगी एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने सोमवार को नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। इसके तहत सुनील मित्तल 30 सितंबर, 2026 को गैर-कार्यकारी चेयरमैन के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद निदेशक मंडल से भी हट जाएंगे। कंपनी ने बयान में कहा कि शबनम सिन्हा एक अक्टूबर, 2026 से तीन साल के कार्यकाल के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक की चेयरपर्सन का पद संभालेंगी। उनकी नियुक्ति को निदेशक मंडल की मंजूरी मिल चुकी है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी इसे मंजूरी दे दी है। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन मित्तल को अप्रैल, 2016 में एयरटेल पेमेंट्स बैंक का गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया था।

बयान में कहा गया, ''उनके नेतृत्व में बैंक राजस्व के लिहाज से भारत का सबसे बड़ा भुगतान बैंक बन गया और उपभोक्ता तथा उद्यम, दोनों क्षेत्रों में उसकी मजबूत मौजूदगी बनी।'' बयान के अनुसार, वर्तमान में बैंक एयरटेल थैंक्स ऐप के जरिये हर महीने 12.1 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं और करीब तीन करोड़ बैंक खाताधारकों को सेवाएं दे रहा है। इसके लिए पांच लाख से अधिक बैंकिंग केंद्रों का नेटवर्क है, जो देश का सबसे बड़ा नेटवर्क है और भारत के चार में से तीन गांवों तक पहुंचता है।

बैंक ने देशभर में औपचारिक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ देश का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल बैंक और यूपीआई ऑटोपे सेवा प्रदाता बनने की दिशा में भी विस्तार किया है।

कभी-कभी बड़े सपने देखने के लिए अपने बचपन को थैंक्यू कहना पड़ता है : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर भारत समेत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खास पहचान बनाई है, जिसे लेकर उन्होंने अपने किशोरावस्था के अनुपम खेर को धन्यवाद दिया। अभिनेता का मानना है कि कभी-कभी अपने बचपन को थैंक्यू कह देना चाहिए। अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर किशोरावस्था के दिनों की तस्वीर पोस्ट की। अपने पोस्ट के जरिए अभिनेता ने बताया कि वे किशोरावस्था के अनुपम खेर (बिट्टू) के शुक्रगुजार हैं कि अगर उन्होंने इतनी हिम्मत नहीं दिखाई होती, तो आज वे इस स्थान पर नहीं होते। अभिनेता अनुपम खेर ने लिखा, बिट्टू, एक बड़ा सपना देखना वाला बच्चा। कभी-कभी बड़े सपने देखने के लिए अपने बचपन को थैंक्यू कहना पड़ता है, जिसने बड़े-बड़े सपने देखे थे।

अभिनेता ने बताया कि उनके द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर तब की है, जब वे 18 साल के थे। उन्होंने लिखा, 18 साल के शिमला के इस लड़के बिट्टू को कुछ पता नहीं था लेकिन सपने बहुत बड़े थे। जिंदगी मेहनत, हिम्मत और बहुत सारी नाकामयाबियां भी मांगती है लेकिन अगर बिट्टू ने सपने देखने की हिम्मत न की होती, तो कभी कुछ शुरू ही नहीं होता।अभिनेता ने छोटे बिट्टू (अनुपम खेर) को धन्यवाद कहते हुए लिखा, धन्यवाद बिट्टू, इतने बड़े सपने देखने के लिए। आज मैं जहां भी हूं, वो इसलिए क्योंकि तुमने मान रखा था कि मैं बन सकता हूं। बिट्टू की जय हो।

अभिनेता अनुपम खेर की बात करें, तो उन्होंने हाल ही में दो फिल्म 'खोसला का घोसला-2' और सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग खत्म की है। दोनों ही फिल्मों को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचीं सनी लियोनी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सनी लियोनी ने रविवार को पति डेनियल वेबर के साथ इस्कॉन मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान सनी लियोनी हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत और आकर्षक नजर आईं। उन्होंने डस्टी पिंक रंग का कढ़ाईदार सलवार सूट पहना हुआ था। हल्के मेकअप और खुले बालों में उनका लुक बेहद सादगीपूर्ण दिख रहा था।वहीं, उनके पति डेनियल वेबर हरे रंग की शर्ट, सफेद टी-शर्ट और क्रीम रंग की पैंट में नजर आए।सनी ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया, क्योंकि वह जल्द ही अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने जा रही हैं। हालांकि, इस आगामी प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है।इस बीच, सनी लियोनी अपनी 'डीजे वर्ल्ड टूर' में भी व्यस्त हैं। वह भारत, थाईलैंड और कनाडा सहित कई देशों में परफॉर्म कर चुकी हैं। इस टूर के तहत उन्होंने पटाया, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, कोच्चि और वैंकूवर में मंच पर प्रस्तुति दी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सनी ग्लासगो और डबलिन में परफॉर्म कर चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने यूरोप, अमेरिका और श्रीलंका के विभिन्न शहरों में भी शो किए हैं।अब उनके 'डीजे वर्ल्ड टूर' का अगला पड़ाव ऑस्ट्रेलिया होगा। अगर सनी की फिल्मों की बात करें तो 'केनेडी' की सफलता के साथ-साथ वह हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'चुड़ैल' पर भी काम कर रही हैं।वह अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर चुकी हैं।टीएलवी प्रसाद के निर्देशन में बन रही 'चुड़ैल' में सनी लियोनी के अलावा मंदाना करीमी और राहुल देव भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर शूट की गई इस फिल्म में सनी एक ऐसी आत्मा की भूमिका निभाएंगी, जो बुलंदशहर की सड़कों पर भटकती है।

वहीं, मंदाना करीमी उनकी प्रतिद्वंद्वी अलौकिक शक्ति की भूमिका में दिखाई देंगी।निर्माता महेंद्र धारीवाल की 50वीं फिल्म 'चुड़ैल' के सितंबर 2026 के अंत तक रिलीज होने की उम्मीद है। पैन-इंडिया रिलीज के तौर पर पेश की जा रही यह फिल्म तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में डब संस्करणों के साथ भी रिलीज की जाएगी।

शिल्पा शेट्टी ने फैंस को दिखाए मुश्किल योगासन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस और योग के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने वर्कआउट और योग से जुड़े वीडियो शेयर करती रहती हैं और फैंस को भी फिट रहने के लिए प्रेरित करती हैं। अब शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कई मुश्किल योगासनों को एक के बाद एक करती नजर आ रही हैं। वीडियो में उनकी बॉडी बैलेंस, फ्लेक्सिबिलिटी और कंट्रोल का शानदार तालमेल दिखाई दे रहा है। वीडियो के साथ उन्होंने इसके फायदे और जरूरी सावधानियों के बारे में भी विस्तार से बताया है। वीडियो में वह अलग-अलग योगासनों को तेजी से करती दिखाई दे रही हैं। इसमें नवासन, सर्वांगासन, बकासन और मलासन जैसे आसन शामिल हैं। वीडियो में एक आसन से दूसरे आसन में जाने के दौरान उनके शरीर का बैलेंस और कंट्रोल साफ नजर आता है।

वीडियो के साथ शिल्पा ने फैंस को सीधे चैलेंज भी दिया। उन्होंने कैप्शन लिखा, ''योग चैलेंज के लिए तैयार हैं? इसे ट्राई करें।'' इसके साथ उन्होंने इस फ्लो को लेकर जरूरी जानकारी भी दी।

शिल्पा ने कैप्शन में लिखा, ''यह डायनामिक योग फ्लो शरीर के कोर यानी पेट और उसके आसपास की मांसपेशियों पर काम करता है। इसके साथ ही यह बैलेंस, हिप मोबिलिटी और पूरे शरीर की अवेयरनेस को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। एक आसन से दूसरे आसन में लगातार बदलाव के दौरान सांस पर कंट्रोल, शरीर का तालमेल और एकाग्रता भी जरूरी होती है। यह सिर्फ शरीर को मोड़ने या अलग-अलग पोज देने की एक्सरसाइज नहीं है, बल्कि इसमें शरीर और दिमाग दोनों का तालमेल चाहिए।''उन्होंने आगे लिखा, ''इस फ्लो से पेट की मांसपेशियों के साथ-साथ कलाई, कंधे और बाहों को मजबूत करने में मदद मिलती है। इसके अलावा बेहतर कोर स्टेबिलिटी, बैलेंस और सर्कुलेशन के लिए भी यह फायदेमंद होता है। योग सिर्फ वजन कम करने या फिट दिखने का जरिया नहीं है, बल्कि शरीर के कंट्रोल और मानसिक एकाग्रता के लिए भी जरूरी है।''

जीवन शैली के अनुरूप जीवन के परिणाम निर्मित होते हैं : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै में मणिक्कम स्ट्रीट स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जो जीवनशैली हमें नीचे ले जा रही है, उसे बदलना होगा। जो आदतें हमें कमजोर बना रही हैं, उन्हें छोड़ना होगा। जो संगति हमें पतन की ओर ले जा रही है, उससे बचना होगा। जो विचार हमारी शक्ति छीन रहे हैं, उन्हें बदलना होगा और जो संस्कार हमें ऊपर उठाते हैं उन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा इसलिए भाग्य बदलने के लिए सबसे पहले आसमान की ओर देखने की आवश्यकता नहीं है अपने भीतर झाँकने की आवश्यकता है। भाग्य को दोष देने से पहले अपनी दिनचर्या को देखिए परिस्थितियों को दोष देने से पहले अपनी आदतों को देखिए। दूसरों को दोष देने से पहले अपनी सोच को देखिए और जीवन से शिकायत करने से पहले स्वयं से पूछिए-क्या मेरी जीवनशैली उन परिणामों के योग्य है, जिनकी मैं अपेक्षा कर रहा हूँ? जीवनशैली केवल हमारे बाहरी व्यवहार का नाम नहीं है। हम कैसे सोचते हैं, कैसे बोलते हैं, किन लोगों के साथ रहते हैं, समय का उपयोग कैसे करते हैं, किन आदतों को पोषित करते हैं, किन संस्कारों को स्वीकार करते हैं और किस प्रकार निर्णय लेते हैं-इन सबका सम्मिलित स्वरूप ही हमारी जीवनशैली है। हम जैसा जीवन जीते हैं, वैसा ही धीरे-धीरे हमारा व्यक्तित्व बनता है और जैसा व्यक्तित्व बनता है, वैसे ही हमारे निर्णय और कर्म होते हैं। फिर उन्हीं कर्मों से हमारे जीवन के परिणाम निर्मित होते हैं। जैसे बीज के अनुरूप वृक्ष का निर्माण होता है वैसे ही जीवनशैली के अनुरूप जीवन के परिणाम निर्मित होते हैं। सभा का संचालन मंत्री शांतिलाल गुगलिया ने किया।

सुदामा चरित्र के साथ भागवद कथा ने लिया विराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में आयोजित पावन श्रवण मास में स्थानीय माहेश्वरी भवन के तपोभूमि प्रांगण में सप्तदिवसिय चल रही सुबोधनी श्रीमद्भागवत कथा के पूर्णाहुति दिवस पर करीब अनेक श्रद्धालुओं ने भगवान शिवजी के रुद्राभिषेक का परम लाभ लिया।

इसके पश्चात समिति के मंत्री किशोर कुमार जेठा ने तुलसी देवी बंशीलाल दलाल को व्यासपीठ की पूजा के लिये आमंत्रण किया तथा मुख्य मनोरथी कांता जे. नारायण दास राठी परिवार एवं सभा सचिव संजय मूंदड़ा, ट्रस्टी महेंद्र मोहता को महोदयश्री से आशीर्वाद लेने हेतु मंच पर आमंत्रित किया।

कथा के पूर्णाहुति दिवस पर श्रीमद्भागवत कथांतर्गत, अहमदाबाद गुजरात के श्रीमद् वल्लभाचार्य जी के वंशज, गोस्वामी श्री गोवर्धनेशजी ने अपने वचनामृत कहा ये आठ पुष्प हमें प्रभु को समर्पित करना चाहिए, मनसा, वाचा कर्मणा, अहिंसा नामक पुष्प हैं। हम मन वाणी कर्म के द्वारा किसी को नुकसान नही पहुंचा सकते। सबके लिए दया की भावना, हम अगर किसी के लिए अच्छा सोचते हैं तो ये भी पुण्य है, और ये कलियुग का गुण है। शमा पुष्प भी हमें समर्पित करना चाहिए। राग द्वेष हमें सत्य से दूर करते हैं। ध्यान और दान, हमने जो कमाया, उसे अच्छे काम में लगावें। लक्ष्मी के पति बनने की कोशिश न करें, लक्ष्मी के पिता बनें। अपने धन का दान करना कन्यादान के समान है। इसलिए हमें सद्कार्य में खर्च करना चाहिए। आठवां पुष्प आपने सत्य को बताया, हमें सदैव सत्य के लिए तत्पर रहना चाहिए।

कथा के विराम दिवस पर मंत्री ने समिति के सभी सदस्यों को मंच पर आमंत्रित करके आचार्यश्री से आशीर्वाद दिलवाया। अध्यक्ष बंशीलाल दलाल ने उन सभी समाज बंधुओं को जिनके तन, मन और धन से इस तरह का कार्यक्रम आयोजन करने हेतु धन्यवाद ज्ञापन किया।

सिद्धनाथ मंदिर में हुआ भव्य रुद्राभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रावण मास के पावन अवसर पर पश्चिम माम्बलम स्थित श्री सिद्धनाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ की आराधना एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के उद्देश्य से भव्य रुद्राभिषेक एवं भजन संध्या का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। इस धार्मिक आयोजन में 150 श्रद्धालु ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। पंडित श्री मनीष दवे एवं उनकी टीम द्वारा विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक एवं रुद्री पाठ संपन्न कराया गया। तुलसी एवं प्रताप म्यूजिकल पार्टी ने भक्ति का समां बांधा।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक देवकिशन काबरा ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना एवं भक्ति का अत्यंत पावन महीना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को विशेष एवं यादगार बना दिया। भगवान भोलेनाथ की कृपा सभी पर बनी रहे और सभी के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि आए, यही हमारी प्रार्थना है।

पदग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेलम में रविवार को फेयरलेन्डस् स्थित सुकम बेन्क्वेट हाल में जीतो लेडिज़ विंग, सेलम का चेन्नई चेप्टर के अंतर्गत स्थापना हुई। सेलम की फाउंडर चेयरपर्सन के रूप में निधि खटोर ने शपथ ली तो बतौर सेक्रेटरी अक्षिता बैद ने पदभार ग्रहण किया।

अहं का विसर्जन ही आत्मज्ञान की पहली सीढ़ी : मुनि तीर्थचैतन्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि श्री तीर्थचेतन्य विजयजी ने सोमवार को प्रवचन में कहा कि आध्यात्मिक यात्रा का प्रथम चरण 'मैं' के विस्मरण और अपने वास्तविक स्वरूप के स्मरण से प्रारंभ होता है। अनादिकाल से जीव 'मैं' और 'मेरा' का स्मरण करता आया है, लेकिन आत्मज्ञान के लिए अहंभाव का विसर्जन कर भगवान और आत्मस्वरूप का स्मरण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सर्जन के लिए विसर्जन जरूरी है। जिस प्रकार नई इमारत के निर्माण से पहले पुरानी संरचना हटानी पड़ती है, उसी प्रकार आत्मज्ञान के सर्जन के लिए अहंकार का विसर्जन अनिवार्य है। जब तक अहं विद्यमान है, तब तक अर्हंत का सच्चा स्मरण और साधना सहज नहीं हो सकती। मुनिश्री ने कहा कि जैन शासन की गुरु-परंपरा विनम्रता की अद्भुत शिक्षा देती है। सच्चा गुरु ज्ञान का श्रेय स्वयं नहीं लेता, बल्कि स्वयं को केवल माध्यम मानता है। यदि प्रवचन के बाद वक्ता के मन में मैंने बहुत अच्छा प्रवचन किया' का भाव उत्पन्न हो जाए तो वहीं से अहंकार का प्रवेश शुरू हो जाता है। ज्ञान की पवित्रता तभी बनी रहती है, जब व्यक्ति अपने भीतर मैंने किया' के भाव को स्थान न दे। उन्होंने कहा कि आज हमारी रुचि सुनने से अधिक सुनाने में हो गई है। माइक और स्पीकर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान माध्यम पर नहीं, बल्कि उस स्रोत पर होना चाहिए, जहां से ज्ञान प्राप्त हो रहा है। मैंने भगवान के पास सुना है, इसलिए आपको बता रहा हूं'-यही गुरु-परंपरा की वास्तविक विनम्रता है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा एग्री क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा चेंगलपट्टू जिले के चिथमूर स्थित धनलक्ष्मी तिरुमना मंडपम में एक मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख एन. बालाचंद्रन मुख्य अतिथि के रूप में तथा, नाबार्ड चेंगलपट्टू की एजीएम श्रीमती कृतिका, चिथमूर की ब्लॉक मिशन मैनेजर (एसएचजी) वी. राजेश्वरी और चेंगलपट्टू के कृषि विभाग के सहायक निदेशक विग्नेश विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, कृषि विभाग, नाबार्ड, स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि, किसान, कृषि उद्यमी तथा ग्रामीण समुदाय के अन्य हितधारक भी उपस्थित थे।

एन. बालाचंद्रन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने में कृषि और संबद्ध गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। श्रीमती कृतिका ने सतत कृषि, ग्रामीण अवसंरचना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), संबद्ध गतिविधियों और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में संस्थागत ऋण के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को 31 करोड़ की राशि के स्वीकृति पत्र वितरित करना था, जिसमें कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न ऋण सुविधाएं शामिल थीं। कार्यक्रम का समापन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की चिथमुर शाखा के शाखा प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

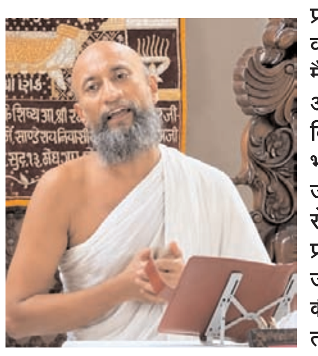

गिरनार की विरासत की रक्षा के लिए बलिदान की भावना जरुरी : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. के पावन सान्निध्य में वेपेरी जैन संघ के श्री भुवनभानुसूरी प्रवचन मंडप में सोमवार को बीसवें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ के जन्मकल्याणक पर्व के उपलक्ष्य में गिरनार तीर्थ की भव्य भावयात्रा का आयोजन उत्साह, उमंग और गहन भक्तिभाव के साथ हुआ। अहमदाबाद से पधारे विराज शाह ने हजारों श्रद्धालुओं को भावयात्रा कराते हुए गिरनार की महिमा, भगवान नेमिनाथ के वैराग्य तथा तीर्थ-संरक्षण के लिए पूर्वजों द्वारा दिए गए बलिदानों की प्रेरणादायी गाथा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य लाभार्थी संघवी सुगंधीबाई शांतिलाल खींवेसरा परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन तथा संघ की ओर से सम्मान के साथ हुआ। इस अवसर पर आचार्यश्री ने कहा कि मध्यरात्रि में नेमीकुमार का जन्म हुआ था। भगवान नेमिनाथ ऐसे तीर्थंकर हैं, जिनके जीवन के साथ राजुल का नाम जुड़ा और नेम-राजुल की जोड़ी इतिहास में अमर हो गई। राजुल का त्याग कर नेमकुमार ने वैराग्य का मार्ग स्वीकार किया और नेमिनाथ भगवान बने। उन्होंने कहा कि भावयात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि तीर्थ के प्रति श्रद्धा और उसके संरक्षण का संकल्प जगाने का माध्यम है। आज हमें भगवान नेमिनाथ की भक्ति में पूरे भावों के साथ जुड़ना चाहिए।

कविता, संस्कृति और समर्पण की त्रिवेणी में उमड़े चेन्नईवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहित्य, समाजसेवा और संस्कृति जब एक मंच पर मिलते हैं तो एक इतिहास रच जाता है। ऐसा ही नजारा बीते दिन चेन्नई की प्रतिष्ठित म्यूजिक अकादमी में देखने को मिला, जहां श्री एस.एस. जैन संघ, साहूकारपेट एवं राजस्थानी श्वेतांबर स्थानकवासी जैन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में जैन स्थानक और जैन भवन के नवीनीकरण हेतु एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चेन्नई का जैन समुदाय ही नहीं, बल्कि साहित्य प्रेमी बड़ी संख्या में उमड़ पड़े।

इस अवसर पर अजीत चौरड़िया, नवरतन-प्रवीण दरडा, अनोप चंद नवीन कुमार भिड़कचा, डूंगरमल सागर सुराणा, हुलास चंद-प्रमोद चौरड़िया, नवरतन विक्रम बाघमार, के.पी. मनीष, प्रकाश चंद -कमल ओस्तवाल एवं अतुल मोदी उपस्थित रहे।

मंच का संचालन प्रख्यात कवि शंभु शिखर ने किया। उनके ओजस्वी संचालन ने पूरे माहौल को बांध कर रखा। जाने-माने कवि अरुण जैमिनी ने अपने चुटील व्यंग्य और हास्य से सबको हंसाया। संदीप भोला ने वीर रस पढ़ा तो अशोक चारण ने मार्मिक रचनाएं, दीपक पारीक ने सामाजिक चेतना पर कविता पढ़ी। कवयित्री भुवन मोहिनी की मधुर वाणी ने हर वर्ग के श्रोताओं को प्रभावित किया। जैनभवन के अध्यक्ष अनोपचंद भिड़कचा, उपाध्यक्ष अजीत चौरड़िया, एसएस जैन संघ के अध्यक्ष डॉ. संजय पींचा, कार्याध्यक्ष सुशील ललवानी, महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था को सुचारू रखा।

भक्ति और श्रद्धा के साथ मनाया नेमिनाथ भगवान का जन्मकल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रिथर्डन रोड़ स्थित कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री प्रियरंजनाश्रीजी की पावन निश्रा में सोमवार को भगवान नेमिनाथ का जन्म कल्याणक उत्साह, उमंग और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने परमात्मा का भावपूर्ण अभिषेक कर भक्ति आराधना की। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा और श्रद्धालु प्रभु भक्ति में तल्लीन नजर आए। साध्वीश्री ने नेमिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक का आध्यात्मिक महत्व बताया।

कवि सम्मेलन बना यादगार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां एसएस जैन संघ, आवडीं के डॉ. जबरचंद जैन के मार्गदर्शन में अध्यक्ष पदमचंद आंचलिया के विशेष प्रयासों से आवडीं चेन्नई के जैन भवन में आयोजित कवि सम्मेलन का आयाजेन किया गया। शीतलकुमार खिंवसरा के अथक मेहनत का परिणाम रहा कि दर्शक दीर्घा खचाखच भरी रही। कवि सम्मेलन में अशोक अग्नि वीर, मिठू मिठास, किशोर पारिख, दिव्या आयोध्या अरुण ने समां बांधा।संचालन अशोक अग्नि वीर (संचालक) ने अपने विशिष्ट अंदाज में किया।

स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई । यहां श्री सनातन धर्म विद्यालय के प्रांगण में मुख्य अतिथि विद्यालय सचिव एस पी बहेती, विद्यालय कोषाध्यक्ष सुनील डागा, प्रधानाचार्या एस लता, शिक्षिकाओं,अभिभावकों और छात्राओं की उपस्थिति में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस हर घर तिरंगा के आधार पर धूमधाम से मनाया गया। छात्राओं ने भाषण, नृत्य आदि सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.